RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 23 सोमवार 8 से 14 सितम्बर, 2025 पृष्ठ: 10 मूल्य : ₹3/=

शिक्षक दिवस पर वेंकटेश्वरा में राष्ट्रीय संगोष्ठीका आयोजन ...6

देश के शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए: मुर्मु

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर यहां एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। श्रीमती मुर्मु ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, जिम्मेदार और समर्पित विद्यार्थी उन विद्यार्थियों से बेहतर होते हैं, जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में भावनायें और बुद्धि

दोनों होती हैं। भावनाओं और बुद्धि का समन्वय विद्यार्थियों पर भी प्रभाव डालता है। राष्ट्रपति ने कहा कि स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट कक्षायें और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है, स्मार्ट शिक्षक। उन्होंने कहा कि स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने विद्यार्थियों के विकास की आवश्यकताओं को समझते हैं। स्मार्ट शिक्षक स्नेह और संवेदनशीलता के साथ अध्ययन की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाते हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों को समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करके, हम अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में एक अमूल्य निवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को सर्वोतम संभव शिक्षा प्रदान करना महिला-नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विस्तार और वंचित वर्ग की बालिकाओं को विशेष शिक्षा सुविधायें प्रदान करने पर जोर देती है, लेकिन शिक्षा से जुड़ी किसी भी पहल की सफलता मुख्यतः शिक्षकों पर निर्भर करती है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बालिकाओं की शिक्षा में जितना अधिक योगदान देंगे, शिक्षक के रूप में उनका जीवन उतना ही सार्थक होगा। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बालिकाओं सहित उन सभी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें, जो अपेक्षाकृत शमीर्ले हैं, या कम सुविधा प्राप्त पृष्ठभूमि से आते हैं।

पीएम मोदी 9 सितंबर को बाढ़ प्रभावित पंजाब का करेंगे दौरा, स्पेशल पैकेज का भी कर सकते हैं ऐलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ सितंबर को पंजाब का दौरा करेंगे। पंजाब में भयानक बाढ़ आई है। वे वहां स्थिति का जायजा लेंगे। वे राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। इसके साथ ही पीएम मोदी बाढ़ग्रस्त पंजाब को राहत के लिए स्पेशल पैकेज का भी ऐलान कर सकते हैं। पंजाब बीजेपी के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से पीएम मोदी के दौरे की जानकारी साझा की गई है।

रविवार को बीजेपी की पंजाब यूनिट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, पीएम मोदी 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर आ रहे हैं। वे बाढ़ प्रभावित लोगों से सीधे मुलाकात कर उनका दर्द साझा करेंगे। साथ ही उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। बीजेपी ने कहा, पीएम मोदी का यह दौरा साबित करता है कि केंद्र की बीजेपी सरकार हमेशा पंजाब के लोगों के साथ खड़ी है और इस कठिन समय में पूरा सहयोग प्रदान करेगी।

पंजाब में मरने वालों की संख्या 46 हुई

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

दशक में सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा पंजाब

पंजाब दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियों तथा मौसमी नालों के उफान के चलते यह स्थिति बनी है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पंजाब में हुई भारी बारिश ने हालात को और गंभीर कर दिया है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पोंग बांध का जलस्तर मामूली घटकर 1,394.19 फुट दर्ज किया गया, हालांकि यह अब भी उसकी अधिकतम सीमा 1,390 फीट से चार फुट ऊपर है। शुक्रवार शाम बांध का जलस्तर 1,394.8 फुट था।

अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को बांध में पानी का प्रवाह 99,673 क्यूसेक था, जो घटकर 47,162 क्यूसेक रह गया, जबकि निकासी 99,673 क्यूसेक पर यथावत बनी रही।

योग्यता व क्षमता के आधार पर नौकरी देना हमारी प्राथमिकता: योगी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को लोक भवन में अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यावसायिक शिक्षा से विभिन्न व्यवसायों के चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनका चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कराई गई भर्ती में हुआ है। हाल में इसका परिणाम घोषित किया गया है। अब सीएम ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा है। इस मौके पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल, कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव हरिओम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन रोजगार के संकल्प को पूरा करने के लिए आठ वर्षों में 8.5 लाख सरकारी नौकरियां दी गईं। सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी अभ्यर्थी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो। उसका किसी भी स्तर पर शोषण न हो। योग्यता और क्षमता के आधार पर युवाओं को सरकारी नौकरी मिले। इसी सख्ती का परिणाम है कि आज भर्तियों में पारदर्शिता के साथ चयन हो रहा है।

सीएम ने आगे कहा कि 400 साल पहले की बात करें तो यूपी देश का सबसे समृद्ध राज्य था। लेकिन, व्यापक रूप से लूटपाट, शोषण और अराजकता थी। विदेशी आक्रांताओं ने हमले किए। अंग्रेजों ने भी लूटपाट की। इसके बावजूद, जब 1947 में देश को आजादी मिली, तो उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था में नंबर एक था। 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई। 2016 तक प्रदेश का योगदान घटकर सिर्फ 8 फीसदी रह गया। जब नीतियां स्वार्थ, वोट बैंक की चिंता और पारिवारिक हितों की रक्षा को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, तो वे बबार्दी की ओर ले जाती हैं। जैसा कि उन लोगों ने उत्तर प्रदेश को पहुंचाया।

इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह अवसर न केवल चयनित अभ्यर्थियों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगा। बल्कि, प्रदेश सरकार के इस संकल्प का भी प्रमाण है कि योग्यता के आधार पर पारदर्शिता के साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 92 व्यवसाय संचालित हैं। इनमें 1,84,280 सीटें उपलब्ध हैं।

विस्तृत खबरपेज-9 पर

उत्तराखंड में हर जिले में वृद्धाश्रम की व्यवस्था होगी: पुष्कर सिंह धामी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के हर जिले में एक-एक वृद्धाश्रम बनाने, दिव्यांगजन से विवाह करने पर प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर 50,000 रुपये करने और कक्षा एक से आठ तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति हेतु आय सीमा समाप्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान कीं।

इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग शादी अनुदान एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के पोर्टल की शुरूआत की और समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत दी जा रही पेंशन की वित्त वर्ष 2025-26 की पांचवीं किस्त का ऑनलाइन भुगतान भी किया। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी

जिलों में एक-एक वृद्धाश्रम की व्यवस्था की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी जिलों में वृद्धाश्रमों की व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा फिलहाल बागेश्वर, चमोली और उत्तरकाशी में राजकीय वृद्धाश्रम संचालित हो रहे हैं, जबकि देहरादून, अल्मोड़ा और चंपावत में नए भवन निमार्णाधीन हैं।

इसके अतिरिक्त, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल सहित विभिन्न क्षेत्रों में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा संचालित वृद्धाश्रम भी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम लागू किया गया है, जिससे बुजुर्गों को अपने बच्चों या कानूनी उत्तराधिकारियों से भरण-पोषण प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग युवक-युवती से विवाह करने पर प्रोत्साहन अनुदान राशि को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये किया जाएगा तथा दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा एक से आठ तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए आय सीमा समाप्त कर दी जाएगी। धामी ने कहा कि बुजुर्गों और दिव्यांगजनों से संवाद का उद्देश्य उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को सीधे तौर पर जानना था ताकि उनके समाधान के लिए और अधिक ठोस कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि हाल में देहरादून में प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र की शुरूआत की गई है और भविष्य में ऐसे केंद्र हर जिले में खोले जाएंगे।

ट्रंप टैरिफ के आतंक से निपटने के लिये ठोस कदम उठाए सरकार : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि ट्रंप टैरिफ के आतंक से निपटने के लिये केंद्र सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

मायावती ने यहां पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ एक बैठक में अपने संबोधन के दौरान अमेरिकी टैरिफ का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका द्वारा थोपे गये 50 प्रतिशत ट्रंप टैरिफ के आतंक के कारण पैदा हुईं चुनौतियों से निपटने के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को देश की जनता के लाभ के लिए मजबूत और सार्थक कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने कहा, यदि ऐसा नहीं किया

गया तो देश की जनता को परेशान करने वाली समस्याएं जैसे गरीबी, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, अशिक्षा, पलायन और भी बदतर हो जाएंगी तथा देश के सम्मान और वैश्विक प्रतिष्ठा पर इसका असर पड़ेगा।

मायावती ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के 'सकारात्मक' आकलन के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले, ट्रंप ने दोनों देशों के 'विशेष' संबंध की सराहना की, जिसे दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया।

भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को 'अनुचित और विवेकहीनह्व बताया था। बसपा प्रमुख का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश के प्रमुख निर्यात केंद्र अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर लगाए गए टैरिफ के प्रभाव से जूझ रहे हैं, निर्यातकों ने रोजगार छिनने, ऑर्डर रुकने और बाजार तक पहुंच कम होने की आशंकाएं जतायी हैं।

नोएडा, कानपुर और वाराणसी के प्रमुख उद्यमियों ने कहा है कि टैरिफ ने वर्षों की कड़ी मेहनत से बनाये गये बाजार को खतरे में डाल दिया है। भदोही के कालीन निर्यातकों, रामपुर के मेंथा तेल उत्पादकों और मुरादाबाद के पीतल के बर्तनों के निर्यातकों ने भी ऐसी ही चिंताएं जाहिर की थीं।

EASY SOLAR®

दीजिये अपने घर को सौर ऊर्जा और
मुफ़्त बिजली का उपहार
जुड़िये प्रधानमंत्री - सूर्य घर
मुफ़्त बिजली योजना से

आज ही सब्सिडी का लाभ उठाए

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

बहेतर कल के लिए
ईजी सोलर के साथ कदम बढ़ाए।

@ 7%* Rate of Interest P.A
Subsidy From Government

1800 313 333 333
www.easysolarsolutions.com

राज्य सूचना आयुक्त वीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आरटीआई से सम्बंधित समीक्षा बैठक आयोजित

समय की आहट सुनिए और जिस भूमिका के लिए आप चुने गए हैं, उसे तन-मन से निष्ठापूर्वक निभाइए: वीरेन्द्र प्रताप सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में वीरेन्द्र प्रताप सिंह, राज्य सूचना आयुक्त, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में आरटीआई के तहत मांगी जाने वाली सूचनाओं की लम्बित शिकायतों और अपीलों की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक के दौरान आरटीआई के तहत दी जाने वाली सूचना के बारे में भी विस्तार से बताया गया। बैठक के दौरान बताया गया कि सूचना का अधिकार का उद्देश्य प्रशासन में पारदर्शिता लाना, भ्रष्टाचार मिटाना, दायित्वबोध जगाना और जनसहभागिता बढ़ाना है। साथ ही इसका उद्देश्य सुशासन तथा अधिक प्रभावशाली कार्यव्यवस्था सुनिश्चित करना है। सूचना का अधिकार कानून भारतीय नागरिकों के सशक्तीकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। उत्तर प्रदेश सूचना आयोग का प्रयास है कि लंबित वादों का जल्द से जल्द निस्तारण हो।

जनता की समस्याओं का समाधान हो और अधिकारियों पर अनावश्यक दबाव भी न आए। सूचना का अधिकार कानून का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध धारा 20 (1) के तहत 25 हजार रुपये तक का अर्थदंड सुनाने और धारा 20 (2) के तहत विभागीय कार्रवाई की संस्तुति करने का प्रावधान है। स्थितियाँ संदिग्ध होने पर आयोग स्वयं जांच कर सकता है अथवा जांच का आदेश दे सकता है। मेरा मानना है कि कोई भी अधिकारी दंड और जांच को आमंत्रित करके अपना करिअर दागदार नहीं करना चाहेगा। जो भी विभागीय प्रमुख यहाँ उपस्थित हैं, आप सबसे मेरा यही कहना है कि आप अपने जनसूचना अधिकारियों के द्वारा तय समय के भीतर सही और सटीक सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करायें।

उन्होंने बैठक के दौरान कहा कि मैं एक उदाहरण से अपनी बात स्पष्ट करूंगा। लखनऊ में मत्स्य विभाग के एक वरिष्ठ अफसर सेवानिवृत हुए। उनकी चिकित्सा प्रतिपूर्ति की लाखों रुपये की धनराशि फंसी हुई थी। बीमारी से जर्जर हो गए थे। फिर भी तीन साल तक विभाग और अस्पताल के चक्कर काटते रहे। विभाग और अस्पताल एक दूसरे पर टालते रहे। कोई निष्कर्ष नहीं निकल रहा था।

इसके बाद वे कोर्ट चले गए। मुकदमा चलते एक साल बीत गया। उनके एक मित्र ने सुझाव दिया कि आरटीआई लगाइए। मेरे समक्ष सुनवाई में विभागीय अधिकारी आए तो मैंने कहा, एक दिन आप भी रिटायर होंगे। आप भी इन्हीं की तरह दौड़ेंगे तो कैसा लगेगा? वे झेंप गए। उन्होंने एक माह का समय मांगा। अगली सुनवाई में मैंने नोटिस भेजकर अस्पताल और विभाग दोनों को बुलाया। नोटिस पढ़ने के बाद उन्होंने आपस में समन्वय बनाकर अड़चन दूर की और अगली पेशी पर चेक लेकर आए। इसी तरह एक अधिकारी की सेवा पुस्तिका ही गायब हो गई थी। उत्तर प्रदेश सूचना आयोग में चार सुनवाई और चेतावनी के बाद अंततः उनकी नई सेवा पुस्तिका बना दी गई है।

इस तरह के अनेक मामले हैं जिनमें हताश और निराश नागरिकों को त्वरित राहत दिलाई गई है। जनसमस्याओं के त्वरित निपटारे के लिए राज्य सूचना आयोग एक प्रभावशाली मंच है। इसमें आप सबका सहयोग चाहिए। आरटीआई के ऐसे अनेक मामले आयोग तक आ जाते हैं, जिनका निपटारा प्रथम अपीलीय अधिकारी के स्तर पर हो सकता था।

इससे आयोग पर वादों का बोझ बढ़ता है और गुणवत्तापूर्ण सुनवाई पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। समय की आहट सुनिए और जिस भूमिका के लिए आप चुने गए हैं, उसे तन-मन से निष्ठापूर्वक निभाइए। जन सूचना को अपनी ड्यूटी में शामिल कीजिए।

सूचना का अधिकार: कैसी सूचना देनी है

केवल ऐसी सूचना दी जाएगी जो लोक प्राधिकरण के पास पहले से मौजूद है अथवा उसके नियंत्रण में है। जन सूचना अधिकारी द्वारा सूचना सृजित करना या सूचना की व्याख्या करना या काल्पनिक प्रश्नों का उत्तर देना अपेक्षित नहीं है। सूचना के अंतर्गत 'क्यों' वाले प्रश्नों के उत्तर देना अपेक्षित नहीं है।

प्रकटीकरण से छूट

ऐसी जानकारी जिसके प्रकटन से भारत की संप्रभुता, अखण्डता, राष्ट्र की सुरक्षा, सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक हित तथा विदेश के साथ सम्बन्ध पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो अथवा किसी अपराध को करने की प्रेरणा मिलती हो।ऐसी जानकारी जिसके प्रकटन से विधान मण्डल के विशेषाधिकार की अवहेलना होती हो अधिनियम की धारा 8 की उप-धारा (1) के खण्ड (झ) के प्रावधान में दी गई शर्तों के अधीन मंत्रिपरिषद, सचिवों और अन्य अधिकारियों के विचार-विमर्श सहित मंत्रिमण्डलीय दस्तावेज नहीं दिए जाएंगे।

तृतीय पक्ष की सूचना नहीं दी जाएगी। किसी व्यक्ति की निजी जानकारी आरटीआई के अंतर्गत नहीं दी जाएगी। यदि उसमें व्यापक लोकहित है तो विचार हो सकता है। सूचना इतनी विस्तृत नहीं होनी चाहिए कि उसे जुटाने में कार्यालय का सामान्य कामकाज ठप हो जाय। 500 शब्दों से अधिक का सूचना आवेदन विस्तृत कहकर निरस्त किया जा सकता है। कोई आरटीआई कार्यकर्ता यदि बड़ी संख्या में सूचना आवेदन देता है तो आप सूचना आयोग को लिख कर दे सकते हैं कि उनके इस तरह सूचना माँगने कार्यालय का काम प्रभावित हो रहा है।

आवेदकों को सहायता प्रदान करना

जन सूचना अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह सूचना माँगने वाले व्यक्तियों को युक्तियुक्त सहायता प्रदान करें। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सूचना प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति से अपेक्षित है कि वह अंग्रेजी अथवा हिन्दी भाषा में लिखित अपना आवेदन प्रस्तुत करे।

यदि कोई व्यक्ति लिखित रूप से आवेदन देने में असमर्थ है, तो जन सूचना अधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसे व्यक्ति को लिखित रूप में आवेदन तैयार करने में युक्तियुक्त सहायता करेगा। यदि कोई दस्तावेज संवेदनात्मक रूप से निःशक्त व्यक्ति को उपलब्ध कराना अपेक्षित है, तो जन सूचना अधिकारी को ऐसे व्यक्ति को समुचित सहायता प्रदान करनी चाहिए, ताकि वह सूचना प्राप्त करने में सक्षम हो सके। यदि दस्तावेज की जाँच करनी हो, तो उस व्यक्ति को ऐसी जाँच के लिए उपयुक्त सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

जन सूचना अधिकारी की सहायता

जन सूचना अधिकारी किसी भी अन्य अधिकारी से ऐसी सहायता मांग सकता है, जिसे वह अपने कर्तव्य के समुचित निर्वहन के लिए आवश्यक समझता हो। अधिकारी, जिससे सहायता मांगी जाती है, जन सूचना अधिकारी को सभी प्रकार की सहायता प्रदान करेगा। ऐसे अधिकारी को जन सूचना अधिकारी माना जाएगा और वह अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उसी प्रकार उत्तरदायी होगा, जिस प्रकार कोई अन्य जन सूचना अधिकारी होता है। जन सूचना अधिकारी के लिए यह उचित होगा कि जब वह किसी अधिकारी से सहायता मांगे तो उस अधिकारी को उपर्युक्त प्रावधान से अवगत करा दे।

सूचना का अपनी ओर से प्रकटन

अधिनियम की धारा 4 के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक लोक प्राधिकरण के लिए अपने संगठन, इसके क्रियाकलाप, कर्तव्यों और अन्य विषयों आदि के ब्यौरों का स्वतः प्रकटन करना बाध्यकारी है। धारा 4 की उप-धारा (4) के अनुसार, इस प्रकार से प्रकाशित जानकारी इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में जन सूचना अधिकारी के पास सुलभहोनी चाहिए। इससे आवेदनों की संख्या में कमी आएगी। आम तौर पर जिस तरह की सूचनाओं मांगी जाती हैं, उनको देखें और उसी पैटर्न पर सूचनाएँ तैयार करके संरक्षित कर लें, उसे ऑनलाइन उपलब्ध करा दें। इससे लोगों को एक ही स्थान पर सूचना मिल जाएगी और वादों की संख्या में कमी आएगी।

बैठक में उपस्थिति

बैठक में आरटीआई विशेषज्ञ अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह चौहान, निजी सचिव शरफुज्जमां प्रशासन से सीडीओ अभिनव गोपाल, एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, आईएएस दीपक सिंघनवाल ज्याइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम लोनी, आईएएस श्री अयान जैन, सीएमओ डॉ.अखिलेश मोहन सहित नगर निगम से अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव व पुलिस विभाग से डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी, एडीसीपी प्रोटोकॉल आनन्द कुमार, डीसीपी ट्रांस हिण्डन निमिष पाटिल, एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानन्द सहित सभी विभागों के अधिकारीगण/जन सूचना अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी अतिथियों को मोमेंटों देकर सम्मानित किया गया।

'नेक्सजेन हैकथॉन 2025' कार्यक्रम का सफल समापन

टीमवर्क से समस्या के समाधान और नवाचार की नई सीख मिलती है: जिलाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरकेजीआईटी), गाजियाबाद में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का 36 घंटे का 'नेक्सजेन हैकथॉन 2025' 6 सितम्बर 2025 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह हैकथॉन 4 से 6 सितम्बर तक चला, जिसमें देशभर की 30 चयनित टीमों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रविन्द्र कुमार माँदड़ (आईएएस), जिलाधिकारी, गाजियाबाद, गेस्ट ऑफ ऑनर मनु जैन, सीईओ एवं को-फाउन्डर, स्केलअपअले, तथा विशेष अतिथि राजित सिक्का, हैड अकेडमिक

रिलेशन्स (उत्तर भारत), टीसीएस उपस्थित रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता अक्षत गोयल, उपाध्यक्ष, आरकेजीआईटी ने की। इस अवसर पर संस्थान के सलाहकार डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एक्ज़िक्युटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, डायरेक्टर डॉ. बी. सी. शर्मा तथा डीन (एक्रेडिटेशन) रामेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

विजेता टीमों को प्रथम पुरस्कार (रुपए 50,000) : टीम 227, द्वितीय पुरस्कार (रुपए 30,000) : टीम फुलस्टैक रोस्टर्स, तृतीय पुरस्कार (रुपए 20,000) : टीम फुलस्टैक रोस्टर्स व सांत्वना पुरस्कार (रुपए 10,000) : टीम पायथनियर्स प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि रविन्द्र कुमार माँदड़ (आईएएस) ने आरकेजीआईटी को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि छात्रों का ऐसे आयोजनों में सक्रिय भाग लेंना हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें टीमवर्क से समस्या के समाधान और नवाचार की नई सीख मिलती है।

समापन अवसर पर डॉ. विनिश शर्मा, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. ऋतु अग्रवाल एवं डॉ. सचिन गोयल सहित संस्थान के अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

'नेक्सजेन हैकथॉन 2025' ने युवा प्रतिभाओं को एक ऐसा मंच प्रदान किया, जहाँ उन्होंने अपने विचारों को वास्तविक समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। यह आयोजन नवाचार, सहयोग और तकनीकी उत्कृष्टता का अद्वितीय उदाहरण बनकर सामने आया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के 2 साल पूर्ण होने पर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने दी बधाई

24 महीनों में 1000 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट शहर हित में शासन से लाया निगम, बजट 3000 से पार हुआ, देनदारी घटी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के 2 वर्ष पूर्ण होने पर निगम अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं दी, तथा शहर हित में चल रहे कार्यों पर भी चर्चा की गई, नगर आयुक्त द्वारा शहर की स्वच्छता को बढ़ाने तथा सौंदर्यकरण पर विशेष कार्यवाही करने की योजना साझा करते हुए आवश्यक निर्देश भी दिए।

24 महीने में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शासन से लगभग 1000 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट गाजियाबाद में ले गए जो की लगातार शहर के आने को क्षेत्र में चल रहे हैं, शहर के विकास की बढ़ती रफ्तार को बनाए रखना पर नगर आयुक्त द्वारा टीम को मोटिवेट किया गया। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, 311 एप्लीकेशन, व्हीकल ट्रैकिंग मॉनिटरिंग सिस्टम, माई GNN व अन्य के माध्यम से गाजियाबाद नगर निगम को हाईटेक की ओर बढ़ाया गया जिससे जन समस्याओं के समाधान में तेजी आई है, निगम की कार्यशैली को भी रफ्तार मिली है, बायोडायवर्सिटी पार्क, उपवन योजना, जोनल ऑफिस विजय नगर, एनिमल बर्थ एंड कंट्रोल सेंटर, कार्क्स प्लांट, स्पोर्ट्स कंपलेक्स, नगर निगम मुख्यालय, वर्किंग वूमेन हॉस्टल, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, सी एम ग्रिड फेस 1 फेस 2, ग्रीन मुंशीपाल बॉन्ड के अंतर्गत टीएसटीपी प्लांट, हरित शवदाह गृह, विजयनगर जोन गंगा जल आपूर्ति का कार्य, व अन्य 1000 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट शासन से स्वीकृत कराए गए जो कि वर्तमान में तेजी से चल रहे हैं, नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि शहर हित में आगे भी इसी क्रम में बेहतर कार्य करने के लिए योजना बनाई जा रही है, विशेष रूप से सौंदर्यकरण पर निगम कार्य करेगा शहर के मुख्य एंट्री गेट को बनाने के लिए प्रस्ताव शासन के समक्ष भेजे जा चुके हैं, प्रमुख चौराहों का सौंदर्यकरण भी जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में कराया जाएगा। निगम की बड़ी उपलब्धियां में इंदिरापुरम हैंड ओवर, ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज भी शामिल रहा, नगर आयुक्त द्वारा निगम की आय 200 करोड़ को बढ़ाकर 600 तक की गई, निगम की देनदारी 300 करोड़ से घटकर 60 करोड़ पर आई, इसी क्रम में गाजियाबाद नगर निगम का बजट भी बढ़ कर 3722 पहुंचा। 24 महीना में गाजियाबाद नगर निगम न केवल विकास की रफ्तार में आगे बढ़ा है, बल्कि जन जागरूकता के क्रम में भी बेहतर कार्य किए गए हैं जिसमें स्वच्छ मोहल्ला स्क्वाड सबसे बेहतर उदाहरण है, गाजियाबाद नगर निगम ने 2 साल में शहर में विकास की रफ्तार बढ़ाने के साथ-साथ गाजियाबाद का मान विश्व स्तर तक बढ़ाया है, ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज 2025, कार्बन क्रेडिट हो या स्वच्छ भारत मिशन गाजियाबाद का सम्मान बढ़ा है। इसके अलावा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा तालाबों का पुनजीर्वीकरण का कार्य, वायु गुणवत्ता सुधार हेतु मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग को बढ़ावा देने का कार्य, एंटी स्मोक गण को बढ़ावा देने का कार्य, लगभग 16 स्थान पर मियांवकी पद्धति से भव्य प्लांटेशन का कार्य, इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल चार्जिंग के विस्तार का कार्य निगम द्वारा किया गया है जो लगातार जारी है, शहर की स्वच्छता और सुंदरता को बनाए रखने के लिए लगातार गाजियाबाद नगर निगम जन-जन को जागरुक कर रहा है, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, डॉ मिथिलेश नगर स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ अनुज प्रभारी उद्यान, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी सहित पार्षदों व क्षेत्रीय निवासियों द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी के निर्देशन पर मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक आहूत हुई। मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद द्वारा विभाग/अधिकारियों को सभी प्रकरणों के तुरंत निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा हिंडन विहार औद्योगिक क्षेत्र में सीवर लाइन एवं पानी की लाइन को शीघ्र क्रियान्वित किए जाने संबंधी प्रकरण पर महाप्रबंधक जल नगर निगम को निर्देशित किया गया कि वह उक्त का कार्य हेतु बनाए गए एस्टीमेट पर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करने हेतु उच्च अधिकारियों से समन्वय स्थापित करें, जिस कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जा सके। हर्ष कंपाउंड औद्योगिक क्षेत्र साइट लोनी रोड औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट उपलब्ध में होने के संबंध में अजीत सिंह नंदा औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया। संदर्भित प्रकरण पर यूपीसिडा के सहायक अभियंता द्वारा सितंबर माह के अंतिम सप्ताह तक स्ट्रीट लाइट प्रकाशित किए जाने हेतु अध्यक्ष महोदय को अवगत कराया।

हर्ष कंपाउंड औद्योगिक क्षेत्र में सड़कों के कार्य के विषय में अधिशासी अभियंता अतिरिक्त प्रकल्प खंड, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त क्षेत्र में बिटुमिन का कार्य कर दिया गया है तथा क्षतिग्रस्त सड़क निर्माण का कार्य 15 सितंबर के बाद प्रारंभ कर दिया जाएगा। अध्यक्ष द्वारा अधिशासी अभियंता अतिरिक्त प्रकल्प खंड जल निगम को उक्त कार्य को शीघ्र कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। स्वदेशी कंपाउंड औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट उपलब्ध न होने के संबंध में अध्यक्ष महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता विद्युत खंड यूपीएस आईडीए को समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए स्ट्रीट लाइट प्रकाशित कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा कार्बन कॉन्टिनेंटल इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि को ऐसा साउथ साइड जीटी रोड उद्योग क्षेत्र में स्थित पार्क का शीघ्र सौंदर्यकरण कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

लोनी क्षेत्र में स्थित नीलम कंपाउंड औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों द्वारा उद्यमियों द्वारा अवगत कराया गया कि उनके औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत विभाग के इलेक्ट्रिक मीटर सड़कों पर नीचे लटके हुए हैं। वर्तमान में लगातार वर्षा हो रही है। विद्युत मीटर के जमीन में मटके रहने से किसी भी व्यक्ति को करंट लग सकता है एवं अकस्मात दुर्घटना घट सकती है। अध्यक्ष महोदय द्वारा अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल लोनी गाजियाबाद को उक्त का शीघ्र स्थलीय निरीक्षण तथा चिन्नांकन करते हुए विद्युत मीटर को सही स्थान पर स्थापित अथवा लगाए जाने के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष महोदय द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में लगातार हो रही विद्युत ट्रिपिंग एवं फाल्ट की समस्या पर भी विद्युत विभाग के अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान द्वारा निवेशकों को एम ओ यू के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं के विषय में अध्यक्ष को अवगत कराया। अध्यक्ष द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को उक्त समस्याओं को सीखने स्थापित कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। निवेश मित्र पोर्टल पर समय सीमा उपरांत लंबित प्रकरणों पर अध्यक्ष महोदय द्वारा संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि वे प्रत्येक दशा में लंबित प्रकरणों को निस्तारित करना सुनिश्चित करें एवं यह सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर कोई भी प्रकरण समय सीमा उपरांत लंबित न रहे।

शेष प्रकरणों पर मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए निस्तारण कराए जाने तो आश्वस्त किया गया। बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त, मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद, अधिशासी अभियंता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीएस आईडीए, उपमहा प्रबंधक सिविल यूपीएसआईडीए, महा प्रबंधक जल नगर निगम गाजियाबाद, अधिशासी अभियंता अतिरिक्त प्रकल्प खंड जल निगम गाजियाबाद, अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण खंड नगरीय, ग्रामीण एवं लोनी, जनपद के विभिन्न उद्यमियों तथा औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। अंत में सभी को धन्यवाद देते हुए बैठक का समापन किया गया।

बाढ़ पीड़ितों के लिए खाने, पीने, रहने व चिकित्सा के किए इंतजाम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। हरियाणा प्रदेश के हथिनी कुंड (लाजेवाला) बैराज से छोड़े जा रहे जल के दृष्टिगत जनपद गाजियाबाद के तहसील लोनी क्षेत्रान्तर्गत प्रभावित ग्राम बदरपुर, मीरपुर हिन्दू, पचायरा, इलायचीपुर, लुत्फुल्लापुर नवादा, अल्लीपुर में बढ़े हुए जलस्तर एवं प्रभावित परिवारो को आवश्यक सुविधाऐ उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड के निदेर्शों के अनुपालन में सौरभ भट्ट, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट उपजिलाधिकारी लोनी एवं डॉ० अरूण कुमार अग्रवाल तहसीलदार लोनी द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया।

साथ ही बाढ प्रभावित स्थानों से निकाले गये व्यक्तियों के साथ वार्ता की गयी। अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) गाजियाबाद द्वारा बताया गया कि तहसील लोनी क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित लगभग 250 व्यक्तियों को दिन में 03 बार खाने के पैकेटों का वितरण कराया जा रहा है तथा सभी के लिये शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गयी है।

छोटे बच्चो एवं वृद्धो के लिये पर्याप्त मात्रा में दूध का वितरण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त चिकित्सा विभाग द्वारा राहत शिविर के पास अपना कैम्प स्थापित किया गया है, जहां आवश्यकतानुसार क्लोरीन, जिंक, पैरासिटामोल आदि टैबलेट/ दवाईयो तथा ओआरएस के पैकेटो का वितरण कराया जा रहा है। किसी भी आकस्मिकता की स्थिति के दृष्टिगत मौके पर ही एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। प्रभावित परिवारो के मवेशियो हेतु पर्याप्त वारे उपलब्ध कराया जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर पहले की अपेक्षा कम हुआ है,

हिंडन-यमुना क्षेत्र में जलभराव, सरकार ने बनाई शेल्टर होम, पंकज सिंह ने किया निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। विधायक नोएडा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा उत्तर प्रदेश पंकज सिंह जी आज दिनांक 4 सितम्बर 2025 को दोपहर 12:45 बजे यमुना बाढ़ प्रभावित क्षेत्र, नियर रायपुर में पहुँचकर हालात का निरीक्षण किया तथा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। प्रदेश एवं केंद्र सरकार निरंतर जनता के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता सुनिश्चित कर रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति तक राहत पहुँचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पंकज सिंह जी ने कहा कि संकट की इस घड़ी में किसी भी परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। प्रशासनिक टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई हैं और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के साथ-साथ भोजन, दवाइयाँ और आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं।

हिंडन नदी के आसपास के क्षेत्रों में संभावित जलभराव को देखते हुए अनेक शेल्टर होम बनाए गए हैं। चोटपुर, छिजारसी सहित सभी डूब क्षेत्र के गाँवों में सरकार पूरी तरह तैयार है। जनता की सुरक्षा, भोजन, चिकित्सा और विश्राम आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि हर प्रभावित परिवार की जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा और पुनर्वास कार्य को त्वरित गति से पूरा किया जाएगा। वहां पर जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान, अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, उमेश त्यागी, गिरजा सिंह, प्रदीप चौहान, राजपाल प्रधान, सुधीर चौहान, ओमवीर अवाना, मनीष शर्मा,, गिरीश कोटनाला, राजकुमार झा, चमन अवाना, बबलू यादव भूपेश चौधरी, विपुल शर्मा, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, राहुल शर्मा, इंद्राज खटाना, रवि यादव, प्रवेश चौहान, उमेश पहलवान, नीरज चौहान, अमित कुमार, मनोज चौहान, प्रदीप यादव, लोकेश यादव, दुष्यंत चौहान, सुखपाल सिंह, कालूराम, उप जिलाधिकारी दादरी श्रीमती अनुज नेहरा, एवं नोएडा के प्राधिकरण सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी हैः नंदकिशोर गुर्जर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लोनी। शुक्रवार को लोनी में वित्त विहीन स्कूल एसोसिएशन द्वारा सी.सी.एस. विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस पुरस्कार समारोह 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया।

विधायक श्री नंदकिशोर गुर्जर ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं। एक सशक्त भारत के निर्माण का आधार हमारे गुरुजनों की शिक्षा और मार्गदर्शन पर टिका है। इस कार्यक्रम में एमएलसी शिक्षक प्रकोष्ठ श्रीचंद शर्मा, वित्त विहीन स्कूल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. राजकुमार चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्षभाजपा चौ. चैनपाल, ओमपाल सिंह राठी जी, श्याम सुंदर जी, चौधरी राजकुमार जी, जितेंद्र गुप्ता जी सहित अनेक गणमान्य अतिथि, समिति के पदाधिकारी, स्कूल के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। शिक्षक दिवस समारोह में सम्मानित अध्यापकों को उनके अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मुज़फ़्फ़रनगर जाकर कार्तिक कश्यप के परिजनों को बंधाया ढांढस

सरकार की ओर से हर संभव मदद का दिया आश्वासन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुज़फ़्फ़रनगर। जम्मू-कश्मीर के ज़िले में भारी बारिश के बाद माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए भीषण भूस्खलन में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है और कई दर्जन लोग घायल हैं। इस दर्दनाक हादसे में उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जनपद के चरथावल क्षेत्र के ग्राम तिरपड़ी निवासी कार्तिक कश्यप की भी मौत हो गई। यह खबर मिलते ही पूरे गाँव और जनपद में मातम छा गया। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मार्ग पर हुए भीषण भूस्खलन में कई श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मृतकों में बड़ी संख्या प्रजापति समाज के लोगों है। जिसमें रामवीरी, अंजलि ,ममतेश, आकांशा दीपेश , आनंद के हादसे की जानकारी मिलने पर मंत्री नरेंद्र कश्यप मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मंत्री ने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया और प्रशासन को हरसंभव सहयोग करने के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई थी कि मंत्री की ओर से समाज के प्रभावित परिवारों के लिए कोई ठोस आर्थिक सहायता या विशेष पैकेज की घोषणा की जाएगी, लेकिन फिलहाल प्रशासनिक स्तर पर ही राहत का भरोसा दिलाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, तत्काल सहायता राशि और अन्य जरूरी सुविधाएं पीड़ित परिवारों तक पहुंचाई जा रही हैं। वहीं, आगे की स्थायी सहायता व पुनर्वास संबंधी निर्णय शासन स्तर पर विचाराधीन हैं।

मंत्री नरेंद्र कश्यप पहुंचे शोकाकुल परिवार के बीच

दुःखद घटना की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप स्वयं ग्राम तिरपड़ी स्थित कार्तिक कश्यप के आवास पर पहुँचे। उन्होंने मृतक की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों को ढाँढस बंधाया। मंत्री ने परिवार को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ी है और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने परिजनों को आर्थिक और सामाजिक मदद का भरोसा दिलाया।

ये है हादसे का घटनाक्रम

शनिवार को रियासी ज़िले में भारी बारिश के चलते अचानक पहाड़ से मलबा खिसकने से वैष्णो देवी धाम जाने वाले मार्ग पर बड़ा लैंडस्लाइड हो गया। इस दौरान मार्ग पर मौजूद सैकड़ों श्रद्धालु उसकी चपेट में आ गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। बचाव दलों ने तुरंत राहत अभियान चलाया और मलबे में दबे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। इस हादसे में 30 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि दर्जनों घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं। मृतकों में तिरपड़ी गाँव निवासी कार्तिक कश्यप भी शामिल रहे।

कार्तिक की मौत की खबर जैसे ही मुज़फ़्फ़रनगर पहुँची थी, उनके गाँव तिरपड़ी में मातम छा गया था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण लगातार परिवार के घर पहुँचकर सांत्वना दे रहे हैं। मंत्री नरेंद्र कश्यप के पहुँचने से परिजनों को कुछ संबल मिला और उन्होंने कहा कि सरकार हर कदम पर उनके साथ है।

किसी भी देश की पहचान उसके शिक्षकों से होती हैः संजीव शर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय गाजियाबाद का सभागार लखनऊ में मुख्यमंत्री, माध्यमिक शिक्षा मंत्री, बेसिक शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में संचालित शिक्षक सम्मान समारोह 2025 के सीधे प्रसारण का साक्षी बना।

बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में बीएसए ऑफिस सभागार में आयोजित इस शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक गाजियाबाद संजीव शर्मा एवं शिक्षक एमएलसी श्रीचन्द शर्मा के कर कमलों से जनपद के कुल 20 एसआरजी और एआरपी को जनपद में शिक्षा के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

डीआईओएस धर्मेंद्र कुमार तथा एडीआईओएस जय सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम का आयोजन नव निर्मित सभागार में हुआ। विधायक गाजियाबाद संजीव शर्मा द्वारा राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को याद करते हुए उनके जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होने प्रशस्ति प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई दी और भविष्य में और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षक एमएलसी द्वारा शिक्षको की क्षमता, मेहनत और लगन की सराहना करते हुए अपने पूर्व शिक्षको को याद किया। उन्होने कहा कि किसी भी देश की पहचान उसके शिक्षको से होती है। जैसे शिक्षक होंगे देश का भविष्य भी उसी प्रकार बन जाता है। माननीय विधायक ने सदन में उपस्थित शिक्षक समूह को बदलते भारत और स्वाभिमानी भारत के बढ़ते कदमों के लिए भारत सरकार के प्रयासों से अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत में डीआईओएस सर द्वारा शिक्षक एमएलसी, बीएसए सर तथा उपस्थित शिक्षको को बेहतरीन कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में बीएसए ओ पी यादव, डी सी राकेश कुमार, सिंपल चौधरी, रुचि त्यागी, एसआरजी देवांकुर, पूनम शर्मा, विनिता त्यागी तथा सभी एआरपी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को चलाया जागरूकता अभियान

2900 छात्र-छात्राओं एवं स्कूल-कॉलेज स्टॉफ को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन विशेषकर स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न स्कूलों में जाकर 2900 स्कूली छात्र-छात्राओं एवं स्कूल स्टॉफ को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान सभी को यातायात नियमों का पालन किये जाने के लिए प्रेरित किया गया।

एडीसीपी यातायात सच्चिदानंद ने बताया कि जागरूकता अभियान के अंतर्गत एसडी इंटर कॉलेज, विद्या बाल भवन, फातिमा इंटर कॉलेज, रेयान इंटरनेशनल स्कूल, सरदार पटेल पब्लिक सीनियर सेकंडरी स्कूल, नेशनल पब्लिक स्कूल आदि में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन सभी स्कूल कॉलेज में जोन के सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात एवं यातायात निरीक्षकों ने स्वंय उपस्थित रहकर लगभग 2,900 छात्र/छात्राओं एवं स्कूल कॉलेज स्टॉफ को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी।

अभियान के दौरान छात्र/छात्राओं को सड़क पार करते समय सावधानी बरतने, हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, तेज रफ्तार एवं लापरवाही से वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का वाहन चलाते समय प्रयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षित किया गया। साथ ही, उन्हें 'गुड समेरिटन' (सड़क दुर्घटना में घायल की मदद करने वाले सज्जन नागरिक को शासन द्वारा 25 हजार रुपए पुरस्कार के रूप में प्रदान किये जाने) की भूमिका एवं अधिकारों से भी अवगत कराया गया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल भविष्य के जिम्मेदार नागरिकों को तैयार करना है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में यथासंभव कमी लाना एवं यातायात नियमों के प्रति शत-प्रतिशत जागरूकता सुनिश्चित करना है। यह अभियान आगामी दिनों में भी नियमित रूप से जारी रहेगा, ताकि गाजियाबाद में एक सुरक्षित एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सनातन हिंदू एकता पद्यात्रा के लिए संतों से आशीर्वाद मांगा

दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता में हुई बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 7 नवंबर से दिल्ली से वृंदावन तक 170 किलोमीटर की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा निकालेंगे। यात्रा छतरपुर के श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ से शुरू होगी और इसका समापन विश्व प्रसिद्ध वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में 16 नवंबर को होगा। 10 दिवसीय सनातन हिंदू एकता पदयात्रा को सफल बनाने व यात्रा की रणनीति तैयार करने के लिए बुधवार को राघवेंद्र दास उदासीन आश्रम में दिल्ली संत महामंडल की बैठक दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष, सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी संतों से आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उददेश्य सनातनियों को एकजुट करना है। दिल्ली संत महामंडल से जितने भी संत जुडे हैं, सभी के हजारों भक्त व अनुयायी हैं। वे सभी अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे तो यह यात्रा ना सिर्फ सफल होगी, वरन नया इतिहास भी रचेगी। उन्होंने कहा कि ब्रज क्षेत्र में मांस-मदिरा की बिक्री पर रोक लगाई जानी चाहिए। यमुना को शुद्ध करने के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिरों और मस्जिदों में राष्ट्रगीत बजाया जाना चाहिए। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि सनातन हिंदू एकता हेतु देश के सभी संत कृतसंकल्पित हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री देश-विदेश में सनातन धर्म की पताका फहरा रहे हैं। उनकी सनातन हिंदू एकता पदयात्रा हिंदुओं को एकजुट करने का कार्य करेगी और इस पुनीत कार्य में दिल्ली संत महामंडल का पूरा सहयोग रहेगा। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि यात्रा के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की जाए। वृंदावन में भी यात्रा का समापन श्री बांके बिहारी जी के दर्शन के बाद मंदिर की स्थापित करने वाले स्वामी हरिदास महाराज की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करके हो। महाराजश्री ने कहा कि सबसे पहले जय हिंदू राष्ट्र का नारा वीर सावरकर ने दिया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि था कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर भी बनेगा और भारत हिंदू राष्ट्र भी बनेगा। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है और भारत के हिंदू राष्ट्र बनने का समय भी आ चुका है। इसके लिए सभी संतों को एक मंच पर आना होगा और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा को सफल बनाना होगा। बैठक के विशिष्ट अतिथि विश्व प्रसिद्ध संत सुधांशु महाराज ने कहा कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक ऐसा कार्य कर रहे हैं, जो पूरे विश्व की दशा व दिशा बदल देगा।

पूर्णिमा के श्राद्ध पर श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर में गुरू मूर्तियों की विशेष पूजा-अर्चना हुई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर में पितृपक्ष के प्रथम दिन पूर्णिमा श्राद्ध का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर में स्थापित सभी गुरु मूर्तियों व सिद्ध संतों की समाधियों की विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा खीर-पूरी का भोग लगाया गया। मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि श्राद्ध का वास्तविक अर्थ श्रद्धा है। श्रद्धापूर्वक अपने पूर्वजों-पितरों का स्मरण व नमन करना और सदैव सद्मार्ग पर चलते हुए ह्यनर सेवा ही नारायण सेवाह्न के आदर्श को चरितार्थ करना ही सच्चा श्राद्ध है।

उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में यह मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितर पृथ्वी पर आते हैं। जब वे हमें धर्ममार्ग पर चलते व सेवा कार्य करते देखते हैं तो संतुष्ट होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर में अब तक 16 महंत हुए हैं। वर्तमान में 16वें पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज विराजमान हैं। उनके पूर्वज महंतों एवं सिद्ध संतों की समाधियाँ मंदिर परिसर में स्थापित हैं और पितृपक्ष के दौरान प्रतिवर्ष उनकी विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। रविवार को पूर्णिमा श्राद्ध से पितृपक्ष का शुभारंभ हुआ। इस दिन चंद्रग्रहण होने के कारण मंदिर के कपाट दोपहर 12 बजे बंद कर दिए गए, जिसके चलते सभी गुरु मूर्तियों को प्रातः 11 बजे ही खीर-पूरी का भोग अर्पित कर दिया गया। अब 21 सितंबर तक प्रतिदिन गुरु मूर्तियों की विशेष पूजा-अर्चना होगी और प्रातः 11.30 बजे खीर-पूरी का भोग लगाया जाएगा।

12 सितंबर को मंदिर के 14वें महंत श्रीमहंत गौरी गिरि महाराज की पुण्य स्मृति में भंडारे का आयोजन होगा। इसमें साधु-संतों, श्री दूधेश्वर वेद विद्या संस्थान के आचार्यों, विद्यार्थियों एवं भक्तों को प्रसाद स्वरूप भोजन कराया जाएगा।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

नये जीएसटी फॉर्मूले में नशेबाजों को झटका

पिछले कई वर्षों से माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी प्रणाली और इसकी दरों को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन इस मसले पर सरकार के भीतर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा था। नतीजतन, ऐसी बहुत सारी वस्तुओं पर भी कर के रूप में लोगों को नाहक ही ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही थी, जिन्हें अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप में जाना जाता है। अब आखिरकार सरकार ने जीएसटी की दरों में बड़े बदलाव की घोषणा की है और इसे आम जनता के लिए भारी राहत के तौर पर पेश किया जा रहा है। हालांकि कई वस्तुओं और सेवाओं पर अब तक लागू कर की दरों में जिस तरह कमी की गई है, उससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके तर्कसंगत होने को लेकर जिस तरह के सवाल उठते रहे हैं, उसमें यह निश्चित रूप से एक बड़ा बदलाव है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे बहुत देर से उठाया गया कदम बताया है। गौरतलब है कि बुधवार को जीएसटी परिषद की बैठक में जिन नई दरों को मंजूरी दी गई, उसके तहत बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद के स्तर को खत्म कर दिया गया है और अब सिर्फ पांच और अठारह फीसद की दर लागू रहेगी। मगर कुछ खास वस्तुओं पर जीएसटी को चालीस फीसद तक बढ़ा दिया गया है। इसी महीने की बाईस तारीख से लागू होने वाले करों के नए ढांचे में जो बदलाव किए गए हैं, उसके तहत लोगों के लिए आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं और सामान्य सेवाओं के मामले में काफी राहत दी गई है। मसलन, खाद्य और डेयरी उत्पाद, दवाएं, तेल, घी, सूखे मेवे, चपाती आदि रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली कई उपयोगी चीजों को पांच फीसद के कर-ढांचे में डाला गया है। जबकि जीवन-बीमा सहित कुछ जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दी गई है। वहीं, वातानुकूलन यंत्र, टीवी, प्रोजेक्टर सहित कई इलेक्ट्रोनिक चीजों को अठारह फीसद के स्तर में लाया गया है। इससे इतर, बड़े आकार वाली महंगी कारों के साथ-साथ पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और कैफीनयुक्त पेय जैसी कुछ चीजों पर अब चालीस फीसद जीएसटी तय की गई है। जाहिर है, नए ढांचे का मकसद आबादी के एक बड़े हिस्से के खर्च और उपभोग को राहत के दायरे में लाकर अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है। यह एक आम हकीकत है कि अगर कोई वस्तु लोगों की आय के मुताबिक क्रयशक्ति की सीमा में होती है, तभी वे उसे खरीदने या उसके उपयोग को लेकर सहज होते हैं। कर की दरों में कमी के बाद वस्तुओं या सेवाओं की कीमतों में जो अंतर आएगा, आम इस्तेमाल में आने वाली चीजों की महंगाई में गिरावट आएगी, उससे बड़ी संख्या में लोग उसके उपभोग के दायरे में आ जाएंगे। बाजार में मांग बढ़ने से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और इस तरह आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी शुल्कों से जो चुनौती पैदा हुई है, उसका सामना करने की दिशा में विकल्प भी तैयार होंगे। यों करीब आठ वर्ष पहले जब जीएसटी को लागू किया गया था, तभी से समय-समय पर अनेक उत्पादों पर कर की दरों में कुछ बदलाव किए गए, लेकिन कई अन्य उत्पादों पर कटौती की मांग होती रही। अब जीएसटी में बदलाव की घोषणा तो हो गई है, लेकिन राज्यों की ओर से जिस तरह राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए समय देने की मांग उठी है, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि सरकार इस संबंध में कौन-सा रास्ता निकालती है!

उपनिषदवाणी

1 सत्यमेव जयते नानृतम्सत्येन 'सत्य की ही जीत होती है, असत्य की नहीं'
(मुण्डक उपनिषद्, तृतीय मुण्डक, प्रथम खण्ड, श्लोक 6)

2 एकमेवाद्वितीयं(एकं एवं अद्वितीयं)
'ब्रह्म ही एक मात्र सत्ता है। उसके अतिरिक्त कोई अन्य दूसरी सत्ता नहीं है।'
(छान्दोग्य उपनिषद्, अध्याय 6, द्वितीय खण्ड, श्लोक 1)

प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

3 असतो मा सद्गमय तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योमार्मृतं गमय
'मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो, मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मुझे मृत्यु से मुझे अमरत्व की ओर ले चलो।'
(बृहदारण्यक उपनिषद्, अध्याय 1, तृतीय ब्राह्मण, श्लोक 28)

बाढ़ का विनाशकारी रूप, ठोस कदम उठाने जरूरी

इस वर्ष उत्तर और पश्चिम भारत में जिस तरह अधिक वर्षा हुई और अभी भी हो रही है, उसने कई राज्यों को बाढ़ की भयावह स्थिति में धकेल दिया है। आम तौर पर बाढ़ की विभीषिका उत्तर-पूर्वी राज्यों और बिहार में देखने को मिलती है, क्योंकि ये इलाके पारंपरिक रूप से नदियों के उफान के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार अलग स्थिति देखने को मिल रही है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे पर्वतीय राज्यों के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र तक बाढ़ के प्रकोप का सामना कर रहे हैं। दिल्ली भी बाढ़ की समस्या से त्रस्त है और पंजाब में तो बाढ़ का इतना विकराल रूप दिखाई दे रहा है, जितना हाल के समय में पहले कभी नहीं देखा गया। इसे केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह बदलते मौसम चक्र और सरकारी तंत्र के साथ आम लोगों की अनदेखी का भी परिणाम है। पर्वतीय राज्यों में अधिक बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गईं। इन राज्यों में बारिश का असर हमेशा से अधिक होता है, क्योंकि यहां की भौगोलिक स्थिति नाजुक है। ढलानों पर बसे गांव और कस्बे थोड़ी सी तेज बारिश में भी खतरे में आ जाते हैं। इस बार हालात और गंभीर हो गए, क्योंकि बादल फटने जैसी घटनाओं ने तबाही को और बढ़ा दिया। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर पुल बह गए, सड़कें टूट गईं और घर

क्षतिग्रस्त हो गए। जान-माल की अच्छी-खासी क्षति भी हुई। पर्वतीय क्षेत्रों में इस तबाही के साथ मैदानी इलाकों में भी बाढ़ ने कहर ढाया। पंजाब और हरियाणा में नदियों में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया और बांधों में जमा पानी छोड़ना पड़ा। इससे बड़ी आबादी वाले कई जिलों में बाढ़ का पानी घुस गया और अनेक स्थानों पर त्राहिमाम की स्थिति बन गई।

पंजाब की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। यह राज्य बाढ़ के लिए जाना नहीं जाता। यहां इतनी अधिक वर्षा हुई कि पिछले 25 साल का रिकार्ड टूट गया। खेती प्रधान इस राज्य में हजारों एकड़ खेत जलमग्न हो गए, जिससे फसलें चौपट हो गईं और किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। यह केवल आर्थिक संकट नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानवीय संकट भी है, क्योंकि खेतों पर निर्भर लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार उत्तर-पश्चिम और पूर्व की हवाएं असामान्य रूप से सक्रिय हो गईं, जिसके कारण इतनी भारी बारिश हुई। जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ लंबे समय से आगाह कर रहे हैं कि मौसम का चक्र अब स्थिर नहीं रहने वाला। कभी बहुत कम बारिश होगी, तो कभी सामान्य से कई गुना अधिक और वह भी कम समय में। इस बार हम यही देख रहे हैं। यह सही है कि अतीत में भी भारत में कभी-कभी भारी वर्षा हुई है, लेकिन आज की स्थिति अलग है, क्योंकि अब हमारी आबादी अधिक है, शहरीकरण तेज है और बुनियादी ढांचा पर्याप्त मजबूत नहीं है। इसी कारण तबाही का दायरा अधिक दिख रहा है। भारत में बाढ़ की समस्या केवल प्राकृतिक नहीं है। मानवीय कारण भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। नदियों और नालों पर अतिक्रमण आम हो गया है। कई जगह पूरे मोहल्ले नदी किनारे बसा दिए गए हैं। यहां तक कि नालों को पाटकर भवन खड़े कर दिए जाते हैं। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहर भी इससे अछूते नहीं हैं। नतीजा यह है कि बारिश के दिनों में थोड़ी सी वर्षा भी जलभराव का कारण बन जाती है। सड़कें घंटों जाम रहती हैं और सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। लोग समय से काम पर नहीं पहुंच पाते। यह भी एक तरह का नुकसान ही है। इस समस्या का एक और पहलू है शहरों का सीवेज सिस्टम। अधिकांश शहरों में सीवेज सिस्टम खराब है। सीवेज की गंदगी नालों के माध्यम से सीधे नदियों में पहुंच जाती है और गाद की मात्रा बढ़ा देती है। इससे नदियां उथली हो जाती हैं और बरसात में जल्दी उफन जाती हैं। गाद हटाने का काम नियमित और गंभीरता से नहीं किया जाता, बल्कि अक्सर इसे खानापूरी तक ही सीमित रखा जाता है। इसके अलावा भवन निर्माण और सड़क निर्माण में भी मानकों की अनदेखी की जाती है। आधारभूत ढांचे के निर्माण में खराब इंजीनियरिंग और भ्रष्टाचार ने बुनियादी ढांचे को कमजोर बना दिया है। यही वजह है कि भारी वर्षा को सहने में हमारे शहर सक्षम नहीं हो पाते। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत एशिया के जिस भूभाग में स्थित है, वहां हिमालय से निकलने वाली नदियां बालू और गाद अपने साथ लाती हैं। मैदानी इलाकों में पहुंचकर ये नदियां और उथली हो जाती हैं।

इसे देखते हुए और भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्पष्ट है कि केवल जलवायु परिवर्तन को दोष देकर सरकारें अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकतीं। उन्हें अपने हिस्से की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। इससे इन्कार नहीं कि बदलता मौसम चक्र एक चुनौती है, लेकिन उससे निपटा जा सकता है, यदि दूरदर्शी नीतियों और ठोस योजनाओं पर सही तरह अमल किया जाए। यदि भवन निर्माण के मानकों को नियंत्रित किया जाए, नदियों और नालों पर अतिक्रमण रोका जाए, सीवेज और जल निकासी की व्यवस्था सुधारी जाए, तो बाढ़ की तबाही काफी हद तक कम की जा सकती है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात्देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 34

गतांक से आगे ....

धनुर्याग का अभिप्राय यह है कि अस्त्रों-शस्त्रों की शिक्षा में हम परिणत हो जाएं,हमारे यहाँ महामुनि विश्वामित्र महाराज इस धनुर्याग में बडे.पारायण थे और धनुर्याग के ऊपर बड़ा उनका अध्ययन रहा। त्रेता के काल में ऋषि-मुनियों का एक समूह एकत्रित हुआ था और ऋषि-मुनियों ने यह निर्णय लिया कि इस समय यहाँ धनुर्याग की आवश्यकता है? हमें धनुर्याग करना चाहिए।

महर्षि विश्वामित्र को सब ऋषि मुनियों ने कहा कि इस समय यह त्रेता का काल है परन्तु रघुवंश में नाना राजा हुए हैं,परन्तु सर्वज्ञ राज्यों ने धनुर्याग को विशेष माना है और धनुर्याग के सम्बन्ध में बहुत-सी चर्चाएँ भी हमने की है। परन्तु विचार क्या कि यहाँ रघुवंश में महाराजा दिलीप जी हुए हैं और दिलीप जी ने महाराजा दिलीप ने अपने राज्य में, प्रत्येक विद्यालय में, प्रत्येक स्थलियों में,उन्होंने धनुर्याग का प्रचलन किया है और महाराजा दिलीप जी ने यहाँ तक कहा है कि जिस राजा के काल में, जिस समाज में धनुर्याग ऊंचा होगा उस राज्य में राजा भी पवित्र बनेगा। प्रजा तो उन क्रिया-कलापों से महान होगा ही, परन्तु राजा का राष्ट्र भी महान बनता चला जाएगा और राजा को भी धनुर्विद्या में इतना पारायण होना चाहिए,जिससे राजा अपनी मनोभावनाओं को छात्र-छात्राओं में प्रकट कर सकें। प्रत्येक विद्यालय में जब इस प्रकार का क्रिया-कलाप राजा के राष्ट्र में होता है उस समय राजा का राष्ट्र पवित्र बनता है। दिलीप जी की यह वार्त्ता आचार्य और महर्षि सोमकेतु ने वर्णन की। इसी सम्बन्ध में महाराजा रघु के यहाँ भी यह क्रिया-कलाप चलता रहा। परन्तु अजय से दशरथ के काल में इस धनुर्विद्या का दूसरे रूपों में परिवर्तन हो गया। मुनियों

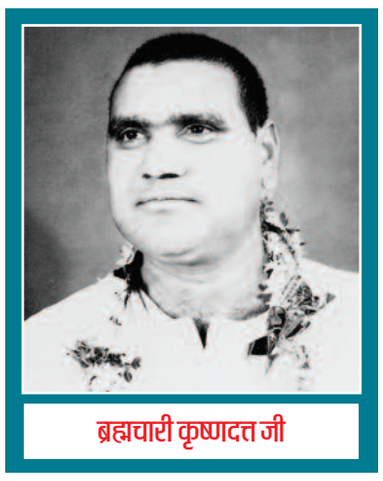

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

ने कहा कि धनुर्विद्या का पुनः प्रसार होना, उसकी प्रतिभा को जानना चाहिए।

महर्षि विश्वामित्र ने वहाँ से गमन किया क्योंकि ऋषि मुनियों का समाज समाप्त हो गया और भ्रमण करते हुए महाराजा विश्वामित्र हिमालय में पहुंचे। हिमालय में महाराजा शिव का राज्य तपायमान था,उनकी जो प्रजा थी बड़ी महानता और कुशलता में सदैव परिणत रहती थी। महाराजा विश्वामित्र महाराजा शिव के द्वार पर पहुंचे। महाराजा शिव अपने आसन पर विद्यमान थे। उन्होंने कहा ऋषिवर! कैसे आगमन हुआ? उन्होंने कहा कि ऋषि-मुनियों ने मुझे आज्ञा दी है कि धनुर्याग का प्रचार करो। उन्होंने कहा बहुत प्रियतम महाराजा शिव से बोले कि महाराज! यह धनुर्याग क्या है? जिस धनुर्याग के सम्बन्ध में ऋषि-मुनियों ने मुझे यह बल दिया कि धनुर्याग होना चाहिए। महाराजा शिव उन्हें एक विद्यालय में ले गए और विद्यालय में उनके यहाँ धनुर्याग का प्रसार होता रहाता था। वह उस आश्रम में पहुंचे,जहाँ धनुर्विद्या में ब्रह्मचारी भिन्न-भिन्न प्रकार की शिक्षाओं का और धनुर्याग का अपने में अध्ययन कर रहे थे। अध्ययन करते हुए प्रातःकालीन जो दिवस में अध्ययन करा रहे हैं सायं के काल तक उन्हें क्रियाओं में लाने के लिए महाराजा शिव के यहाँ एक परमाणु विद्या, एक विज्ञानशाला, उस विज्ञानशाला में अग्नि-अस्त्रों का, जल अस्त्रों का, नाना प्रकार के यन्त्रों का निर्माण और यन्त्रों की प्रतिभा और यन्त्रों की क्रियात्मक में लाना, नाना प्रकार का अभ्यास होता रहता था। उस अभ्यास में महाराजा वह शिव शंकाओं का निदान करते रहते थे। नाना प्रकार के लोक-लोकान्तरों को भी यन्त्रों से प्रायः दृष्टिपात करते रहते थे। उन्होंने कहा हे विश्वामित्र! यह मेरे यहाँ धनुर्याग चल रहा है और बहुत समय हो गया है धनुर्याग करते हुए हम प्रातःकाल से सायंकाल तक इसमें इतने रत्त रहते हैं कि ब्रह्मचारी महान बन करके अपनी प्रतिभा इस संसार में प्रसारण कर सके। हमारे समीप एक ही उद्घोष होता है, कि मानव समाज ऊर्ध्वा में पवित्र बनें। राष्ट्रवेत्ता राष्ट्र को ऊंचा बनाने के लिए धनुर्विद्या को जानें।

क्रमशः .....

श्रीराम का महल और श्रीराम जन्म भूमि मन्दिर

कोटि कोटि सनातनी हिन्दुओं की परमोज्ज्वल आस्था का प्रतीक भगवान् श्रीराम का जन्मभूमि-मन्दिर, लक्षाधिक रामभक्तों के प्राणोत्सर्ग और पाँच सौ वर्ष की चिरप्रतीक्षा के पश्चात् बनकर तैयार हुआ है, जिसके निर्माण हेतु श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास के नेतृत्व में सनातनी हिन्दुओं ने अपने श्रम-सीकर और पुरुषार्थ से अर्जित धनराशि भक्तिभाव से अर्पित की है। मन्दिरस्थापत्य के अनुसार नागर शैली में निर्मित श्रीरामजन्मभूमि-मन्दिर के वास्तुविधान और शिल्प-सौष्ठव को देखते हुए आदिकवि महर्षि वाल्मीकिकृत रामायण में वर्णित त्रेतायुगीन भगवान् श्रीराम के महल की भव्यता का शब्दचित्र मुखरित हो रहा है।

डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय'

वाल्मीकीयरामायण के अयोध्याकाण्ड के पन्द्रहवें सर्ग में अयोध्यापति सम्राट् राजसिंह दशरथ की आज्ञा से सारथी सुमन्त्र युवराज श्रीराम को बुलाने के लिए उनके महल में जाते हैं। उस समय सारथी सुमन्त्र को युवराज श्रीराम का महल किस तरह दृग्गत हुआ, उसका आँखों देखा जीवन्त चित्रण भगवान वाल्मीकि ने किया है-

ततो ददर्श रुचिरं कैलाससदृशप्रभम्।।
रामवेश्म सुमन्त्रस्तु शक्रवेश्मसमप्रभम।
महाकपाटपिहितं वितर्दिशतशोभितम्।।
काञ्चनप्रतिमैकाग्रं मणिविद्रुमतोरणम्।
शारदाभ्रघनप्रख्यं दीप्तं मेरुगुहासमम्।।
मणिभिर्वरमाल्यानां सुमहद्भिरलङ्कृतम्।
मुक्तामणिभिराकीर्णं चन्दनागुरुभूषितम्।।
गन्धान् मनोज्ञान् विसृजद् दादुर्रं शिखरं यथा।
सारसैश्च मयूरैश्च विनदद्भिर्विराजितम्।।
सुकृतेहामृगाकीर्णमुत्कीर्णं भक्तिभिस्तथा।
मनश्चक्षुश्च भूतानामाददत्तिग्मतेजसा।।
चन्द्रभास्करसंकाशं कुबेरभवनोपमम्।
महेन्द्रधामप्रतिमं नानापक्षिसमाकुलम्।।
मेरुशृङ्गसमं सूतो रामवेश्म ददर्श ह।
उपस्थितैः समाकीर्णं जनैरञ्जलिकारिभिः।।
उपादाय समाक्रान्तैस्तदा जानपदैर्जनैः।
रामाभिषेकसुमुखैरुन्मुखैः समलङ्कृतम्।।
महामेघसमप्रख्यमुदग्रं सुविराजितम्
नानारत्नसमाकीर्णं कुञ्जकैरपि चावृतम।।
स वाजियुक्तेन रथेन सारथिः
समाकुलं राजकुलं विराजयन्।
वरूथिना राजगृहाभिपातिना
पुरस्य सर्वस्य मनांसि हर्षयन।।
ततः समासाद्य महाधनं महत
प्रहृरोमा स बभूव सारथिः।
मृगैर्मयूरैश्च समाकुलोल्बणं
गृहं वरार्हस्य शचीपतेरिव।।
स तत्र कैलासनिभाः स्वलङ्कृताः
प्रविश्य कक्ष्यास्त्रिदशालयोपमाः।
प्रियान् वरान् राममते स्थितान् बहून्
व्यपोह्य शुद्धान्तमुपस्थितौ रथी।।
स च तत्र शुश्राव च हर्षयुक्ता
रामाभिषेकार्थकृतां जनानाम्।
नरेन्द्रसूनोरभिमङ्गलार्थाः
सर्वस्य लोकस्य गिरः प्रह्वाः।।
महेन्द्रसद्मप्रतिमं च वेश्म
रामस्य रम्यं मृगपक्षिजुष्टम्।
ददर्श मेरोरिव शृङ्गमुच्चं
विभ्राजमानं प्रभया सुमन्त्रः।।
उपस्थितैरञ्जलिकारिभिश्च
सोपायनैर्जानपदैर्जनैश्च।
कोट्या परार्धैश्च विमुक्तयानैः
समाकुलं द्वारपदं ददर्श।।
ततो महामेघमहीधराभं
प्रभिन्नमत्यङ्कुशमत्यसह्यम्।
रामोपवाह्यां रुचिरं ददर्श
शत्रुञ्जयं नागमुदग्रकायम्।।
स्वलङ्कृतान् साश्वरथान् सकुञ्जरा-
ाात्यमुख्यांश्च ददर्श वल्लभान।
व्यपोह्य सूतः सहिता-समन्ततः
समृद्धमन्तःपुरमाविवेश ह।।
ततोऽद्रिकूटाचलमेघसंनिभं
महाविमानोपमवेश्मसंयुतम्।
अवार्यमाणः प्रविवेश सारथिः
प्रभूतरत्नं मकरो यथार्णवम्।।
-वाल्मीकीयरामायण 2/15/30-48

अर्थात् तदनन्तर सुमन्त्र को श्रीराम का सुन्दर भवन दिखायी दिया, जो कैलासपर्वत के समान श्वेत प्रभा से प्रकाशित हो रहा था। वह इन्द्रभवन के समान दीप्तिमान् था। उसका फाटक विशाल किवाड़ों से बन्द था (उसके भीतर का छोटा-सा द्वार ही खुला हुआ था)। सैकड़ों वेदिकाएँ उस भवन की शोभा बढ़ा रही थीं। उसका मुख्य अग्रभाग सोने की देव-प्रतिमाओं से अलंकृत था। उसके बाहर फाटक में मणि और मूँगे जड़े हुए थे। वह सारा भवन शरद् ऋतु के बादलों की भाँति श्वेत कान्ति से युक्त, दीप्तिमान् और मेरुपर्वत की कन्दरा के समान शोभायमान था। सुवर्णनिर्मित पुष्पों की मालाओं के बीच बीच में पिरोयी हुई बहुमूल्य मणियों से वह भवन सजा हुआ था। दीवारों में जड़ी हुई मुक्ता-मणियों से व्याप्त होकर जगमगा रहा था (अथवा वहाँ मोती और मणियों के भण्डार भरे हुए थे)। चन्दन और अगर की सुगन्ध उसकी शोभा बढ़ा रही थी। वह भवन मलयाचल के समीपवर्ती दर्दुर नामक चन्दनगिरि के शिखर की भाँति सब और मनोहर सुगन्ध बिखेर रहा था। कलरव करते हुए सारस और मयूर आदि पक्षी उसकी शोभा वृद्धि कर रहे थे। सोने आदि की सुन्दर ढंग से बनी हुई भेड़ियों की मूर्तियों से वह व्याप्त था। शिल्पियों ने उसकी दीवारों में बड़ी सुन्दर नक्काशी की थी। वह अपनी उत्कृष्ट शोभा से समस्त प्राणियों के मन और नेत्रों को आकृष्ट कर लेता था। चन्द्रमा और सूर्य के समान तेजस्वी, कुबेर-भवन के समान अक्षय सम्पत्ति से पूर्ण तथा इन्द्रधाम के समान भव्य एवं मनोरम

उस श्रीरामभवन में नाना प्रकार के पक्षी चहक रहे थे। सुमन्त्र ने देखा- श्रीराम का महल मेरु-पर्वत के शिखर की भाँति शोभा पा रहा है। हाथ जोड़कर श्रीराम की वन्दना करने के लिए उपस्थित हुए असंख्य मनुष्यों से वह भरा हुआ है। भाँति भाँति के उपहार लेकर जनपद-निवासी मनुष्य उस समय वहाँ पहुँचे हुए थे। श्रीराम के अभिषेक का समाचार सुनकर उनके मुख प्रसन्नता से खिल उठे थे। वे उस उत्सव को देखने के लिए उत्कण्ठित थे। उन सबकी उपस्थिति से भवन की बड़ी शोभा हो रही थी। वह विशाल राजभवन महान् मेघखण्ड के समान ऊँचा और सुन्दर शोभा से सम्पन्न था। उसकी दीवारों में नाना प्रकार के रत्न जड़े गये थे और कुबड़े सेवकों से वह भरा हुआ था। सारथि सुमन्त्र राजभवन की ओर जानेवाले वरूथ (लोहेकी चद्दर या सींकचों के बने हुए आवरण) से युक्त तथा अच्छे घोड़ों से जुते हुए रथ के द्वारा मनुष्यों की भीड़ से भरे राजमार्ग की शोभा बढ़ाते तथा समस्त नगर-निवासियों के मन को आनन्द प्रदान करते हुए श्रीराम के भवन के पास जा पहुँचे। उत्तम वस्तु को प्राप्त करने के अधिकारी श्रीराम का वह महान् समृद्धिशाली विशाल भवन शचीपति इन्द्र के भवन की भाँति सुशोभित होता था। इधर-उधर फैले हुए मृगों और मयूरों से उसकी शोभा और भी बढ़ गयी थी। वहाँ पहुँचकर सारथि सुमन्त्र के शरीर में अधिक हर्ष के कारण रोमांच हो आया। वहाँ कैलास और स्वर्ग के समान दिव्य शोभा से युक्त, सुन्दर सजी हुई अनेक ड्यौढ़ियों को लाँघकर श्रीरामचन्द्रजी की आज्ञा में चलनेवाले बहुतेरे श्रेष्ठ मनुष्यों को बीच में छोड़ते हुए रथसहित सुमन्त्र अन्तःपुर के द्वार पर उपस्थित हुए। उस स्थान पर उन्होंने श्रीराम के अभिषेक सम्बन्धी कर्म करनेवाले लोगों की हर्ष भरी बातें सुनीं, जो राजकुमार श्रीराम के लिए सब ओर से मंगलकामना सूचित करती थीं। इसी प्रकार उन्होंने अन्य सब लोगों की भी हर्षोल्लास से परिपूर्ण वाताओं को श्रवण किया। श्रीराम का वह भवन इन्द्रसदन की शोभा को तिरस्कृत कर रहा था। मृगों और पक्षियों से सेवित होने के कारण उसकी रमणीयता और भी बढ़ गयी थी। सुमन्त्र ने उस भवन को देखा।

वह अपनी प्रभा से प्रकाशित होनेवाले मेरुगिरि के ऊँचे शिखर की भाँति सुशोभित हो रहा था। उस भवन के द्वार पर पहुँचकर सुमन्त्र ने देखा- श्रीराम की वन्दना के लिए हाथ जोड़े उपस्थित हुए जनपदवासी मनुष्य अपनी सवारियों से उतरकर हाथों में भाँति भाँति के उपहार लिये करोड़ों और परार्धों की संख्या में खड़े थे, जिससे वहाँ बड़ी भारी भीड़ लग गयी थी। तदनन्तर उन्होंने श्रीराम की सवारी में आनेवाले सुन्दर शत्रुञ्जय नामक विशालकाय गजराज को देखा, जो महान् मेघ से युक्त पर्वत के समान प्रतीत होता था। उसके गण्डस्थल से मद की धारा बह रही थी। वह अंकुश से काबू में आनेवाला नहीं था। उसका वेग शत्रुओं के लिए अत्यन्त असह्य था। उसका जैसा नाम था, वैसा ही गुण भी था। उन्होंने वहाँ राजा के परमप्रिय मुख्य मुख्य मन्त्रियों को भी एक साथ उपस्थित देखा, जो सुन्दर वस्त्राभूषणों से विभूषित थे और घोड़े, रथ तथा हाथियों के साथ वहाँ आये थे। सुमन्त्र ने उन सबको एक ओर हटाकर स्वयं श्रीराम के समृद्धिशाली अन्तःपुर में प्रवेश किया। जैसे मगर प्रचुर रत्नों से भरे हुए समुद्र में बेरोक-टोक प्रवेश करता है, उसी प्रकार सारथि सुमन्त्र ने पर्वत शिखर पर आरूढ़ हुए अविचल मेघ के समान शोभायमान महान-विमान के सदृश सुन्दर गृहों से संयुक्त तथा प्रचुर रत्न-भण्डार से भरपूर उस महल में बिना किसी रोक-टोक के प्रवेश किया।

त्रेतायुग में अयोध्यापति सम्राट् दशरथ के राजत्वकाल में भगवान् श्रीराम के महल को सारथी सुमन्त्र ने देखा था और कलियुग में प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी के शासनकाल में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास के महामन्त्री चम्पतराय ने भगवान् श्रीराम के वर्तमान महल के देखा और समस्त सनातनी रामभक्तों को दिखाया। आकाशचुम्बी मन्दिर-शिखर पर प्रतिष्ठित स्वर्णकलश और हेममण्डित ध्वजदण्ड को बार बार देखकर चिरपिपासित आँखें तृप्त होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। जिस मन्दिर-शिखर को देखने के लिए पूर्वजों की न्यूनतम 25 पीढ़ियों ने अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया हो, उसे सहसा देखकर अचानक कैसे तृप्त हुआ जा सकता है!

श्रीराम-मन्दिर की दिव्य भव्य अलौकिक छवि को देखकर आज वैसी ही स्थिति हो रही है, जैसी पहली बार भगवान् श्रीराम को देखकर पराम्बा जानकी की हो गयी थी। यथा-

थके नयन रघुपति छबि देखे।
पलकन्हिहूँ परिहरी निमेषे।।
अधिक सनेह देह भइ भोरी।
सरद-ससिहिं जनु चितव चकोरी।।
लोचन मग रामहिं उर आनी।
दीन्हें पलक कपाट सयानी।।
जब सिय सखिन्ह प्रेम-बस जानी।
कहि न सकहिं कछु मन सकुचानी।।
-रामचरितमानस 1/232/3-4

लेखक: मुख्य न्यासी
श्रीरघुनाथ-मन्दिर देवगढ़ तीर्थक्षेत्र न्यास
देवगढ़-231 210, सोनभद्र (उ.प्र.)

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

बागपत में बोले बिहार के राज्यपाल, ऋग्वेद दुनिया का सबसे प्राचीन ग्रंथ

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत के बड़ौत नगर में चौधरी केहर सिंह एजुकेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में एक भव्य यज्ञशाला शिलान्यास समारोह का आयोजन हुआ। शुक्रवार को जिला आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से आयोजित यज्ञशाला समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए बिहार प्रदेश के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, ऋग्वेद दुनिया का सबसे प्राचीन ग्रंथ है। उन्होंने कहा, जहां भी शिक्षा का प्रचार प्रसार होगा, वही सबसे पवित्र स्थान होगा। यज्ञशाला का शिलान्यास कर वे बहुत ही अभिभूत हुए है।

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि मैं विद्वान नहीं हूं, केवल विद्यार्थी हूं। मालिक की मेहरबानी से पढ़ने का शौक है। जिस विषय के प्रति आपकी रुचि बढ़ती चली जाती है, वही आपकी मानसिकता पर प्रभाव डालती हैं। उन्होंने कहा, उनको अध्ययन का शौक है, उससे अज्ञानता का आभास बढ़ता है। उनको भारतीय संस्कृति पर गर्व है, लेकिन जितना पढ़ता हूं, उतनी ही उनको शर्म भी आती है क्योंकि प्रश्न पैदा होता है कि क्या हमने अपनी संस्कृति के साथ न्याय किया है?

उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति विश्व में महान है, उसे जानने का हम सबको प्रयास तो करना चाहिये। हमारी भाषा, रंगभेद, इबादत, पूजा पद्धति करने का तरीका अलग हो सकता है। उन्होंने कहा, 1948 में पहली बार स्वीकार किया गया कि मानव को प्रतिष्ठा का अधिकारी माना गया, जबकि भारत में हजारों साल पहले जो वेद, उपनिषद, ग्रंथ लिखे गए, वे ही सर्वोपरि हैं। यूनेस्को ने भी माना है कि वेद, उपनिषद ही सबसे प्राचीन ग्रंथ हैं तो वे भारत के है। उन्होंने कहा, मानव को ही कल्पना करने व सोचने की शक्ति मिली है, तभी मनुष्य पशुओं से अलग हैं। क्यों कि नस्ल बढ़ाने का काम तो मनुष्यों की तरह पशु भी करते हैं। धर्म की व्याख्या करते हुए बिहार के राज्यपाल ने कहा कि रिलीजन कोई धर्म नहीं होता। धर्म तो वह चीज है जो इंसान और दूसरे प्राणियों को अलग करने का काम करता है। धर्म वह है जहाँ शक्तिशाली समाज में कमजोर को भी जीने का अधिकार मिले।

उन्होंने कहा, किसी दूसरे की संस्कृति की आलोचना न कर अपनी संस्कृति को समझने का कार्य करें, यही धर्म है। अपने उद्बोधन के बीच बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने संस्कृत के काफी श्लोक प्रयोग किये।

उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति ही दुनिया की सबसे श्रेष्ठ संस्कृति हैं। उन्होंने श्रीमद् भागवत गीता के श्लोक का हवाला देते हुए कहा कि हर मनुष्य दुनिया में जिंदा रहने को जी तोड़ मेहनत करता है, क्यों कि कर्म ही मानव कल्याण का साधन है। फल की कामना कभी नहीं करनी चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए बागपत के पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह ने कहा कि बागपत की धरती, जहां वीरता और विद्या का अद्भुत संगम है, यह भारत में और कहीं नहीं। देश को आजादी दिलाने के लिए ज्यादातर क्रांतिकारी अपना राज्य बचाने को लड़े, लेकिन बागपत में बाबा शाहमल ने 6000 किसानों को साथ लेकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और बड़ौत तहसील को अंग्रेजों से आजाद कराया। भगवान कृष्ण जब हस्तिनापुर में संधि का प्रस्ताव लेकर जा रहे थे, तो एक रात यही रुके थे। भगवान कृष्ण ने वागप्रस्त को पांच गांवों में शामिल किया। उन्होंने बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान नाम के अर्थ को परिभाषित करते हुए कहा कि आरिफ का अर्थ ही आर्य है। आर्य श्रेष्ठ पुरुष को कहते है और आरिफ ने अपने नाम को आज सार्थक कर दिखाया। उन्होंने कहा, आर्य समाज अच्छे मानव बनाने के लिए नहीं बल्कि मनुष्यों को देव पुरुष बनाने का काम कर रहा हैं। यदि धर्म की महत्ता को जानना हो तो यज्ञ की महत्ता को जाने, रोजाना यज्ञ करें, जिन्हें स्वर्ग चाहिए, वे रोजाना यज्ञ करें। आज तक दुनिया के अंदर लाखों करोड़ों वैज्ञानिक हैं क्या किसी ने स्वर्ग देखा है? हमारे ऋषियों ने कहा है कि धरती पर ही स्वर्ग है। बच्चों में संस्कार नहीं रहे, तभी तो अकाल मृत्यु का डर सताता रहता है। बड़े बुजुर्ग डरने लगे है कि उनके बच्चे उनकी सेवा करेंगे या नहीं? उन्होंने कहा, यदि यज्ञशाला नहीं बना सकते तो घर मे रोजाना यज्ञ अवश्य करें। उन्होंने कहा कि महाभारत काल तक देश दुनिया के अंदर कोई जाति व्यवस्था नहीं थी, कोई धर्म नहीं था। केवल एक ही धर्म था तो वह थी मानवता, मनुष्यता। सब यज्ञ करते थे। उन्होंने कहा, मुसलमानों के अंदर, क्रिस्चियन के अंदर भी यज्ञ के अवशेष हैं। पंजाब, जम्मू के अंदर बाढ़, तबाही आदि हुई है क्योंकि हमने यज्ञ करना छोड़ दिया हैं। सबसे खतरनाक प्रदूषण विचारों का प्रदूषण है। पूर्वजों के बनाये घर को गंदा कर सकते हैं क्या? हमे अच्छा जल मिला, जमीन मिली, वायु मिली तो इसे प्रदूषित करने का भी अधिकार नहीं है। नैनो टेक्नोलॉजी तेजी से बढ़ रही हैं, नैनो मेडिसिन भी इसी आधुनिकता का परिणाम है।

भोपाल के अंदर गैस त्रासदी हुई थी, उसमे एक परिवार बचा क्योंकि वह प्रतिदिन यज्ञ करता था इसलिए रोजाना यज्ञ करो। ऋषियों के बताए रास्ते को छोड़ दिया तो विनाश होगा। संचालन जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री रवि शास्त्री ने किया।

समारोह में उत्तर प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देवेंद्र पाल वर्मा, नरेन्द्र त्यागी, डॉ मनीष तोमर, डॉक्टर गीतांजलि तोमर, कोषाध्यक्ष कपिल आर्य, पूर्व मंत्री ओमवीर तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय, प्रेम सिंह वेदवान, स्वामी ओमवर्त, रामपाल तोमर, जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सुशील राणा, कपिल आर्य आदि समेत हजारों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दो परिवारों को रोशन करती है एक शिक्षित बालिका: दिनेश गोयल

वैदिक कन्या व सरदार पटेल कॉलेज में किया सोलर प्लांट का उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। मेरठ सहारनपुर ग्रेजुएट सीट से एमएलसी दिनेश गोयल ने आज अपनी विधायक निधि से अपनी निधि से अग्रवाल मंडी टटीरी के वैदिक कन्या डिग्री कॉलेज को प्रदत्त 5 किलो वाट के सोलर प्लांट को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, एक शिक्षित बालिका दो परिवारों को शिक्षित करती है। इसके अलावा उनकी विधायक निधि से सरदार पटेल इंटर कॉलेज बली में भी 5 किलो वाट के सोलर प्लांट का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर कमला अग्रवाल ने की। इस अवसर पर भाजपा नेता सतबीर सिंह बड़का ने भी उद्बोधन दिया। कॉलेज के अध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने संचालन करते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गान एवं गणेश वंदना के द्वारा अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, पंकज गुप्ता, संजीव शर्मा, अनिल गांधी, डॉ मयंक गोयल, संजीव, पीटीआई निर्मला, श्रीमती शिल्पा वर्मा, श्रीमती ममता आर्य, श्रीमती ममता मानव, श्रीमती अनीता सिंह, डॉ राखी गुप्ता, प्रवीण, संजय, नितिन वशिष्ठ, रामकिशोर, प्रेमवती, अनिल, सचिन कुमार, अश्वनी मानव ने अतिथियों का स्वागत किया।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को डीएम को सौंपी राहत राशि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। आज राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज उज्जवल ने जिलाधिकारी बागपत अस्मिता लाल को बाढ़ पीडितो के लिये राहत कोष मे 51 हजार रुपये का चैक सौपा।

आज जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी से मिलकर बाढ़ पीड़ितों के लिएराहत कोष में 51000 का चेक सौंपा। धीरज उज्ज्वल ने कहा, राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार चौधरी जयन्त सिंह से वार्ता होने पर प्रेरणा मिली। चौधरी जयन्त सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में सभी सक्षम कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए। वर्तमान समय में बाढ़ की स्थिति बहुत भयानक है। जनता का बहुत नुकसान हो रहा है। जनपद की कई हजार बीघा जमीन पर यमुना का पानी आ गया है फसले बर्बाद हो गई हैं। बहुत से लोगों के मकान भी गिर गए हैं। बाढ़ की भयानक स्थिति को देखते हुए रालोद नेता धीरज उज्जवल ने बाढ़ पीड़ितों की मदद करने के लिए जिलाधिकारी को आज चेक सौपा। इस अवसर पर जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने धीरज उज्जवल की भूरि भूरि प्रशंसाकी। इस अवसर पर राजू तोमर सिरसली, सुभाष नैन, रविन्द्र, गौरव तोमर उपस्थित थे।

प्राकृतिक आवास देकर की जा सकती है वन्यजीवों की रक्षा: भारत भूषण गर्ग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गढ़मुक्तेश्वर। स्वामी विवेकानंद विचार मंच के तत्वाधान में आज पुष्पावती पूठ में राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम के संयोजक एवं मुख्य वक्ता भारत भूषण गर्ग ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज चाहे पहाड़ हो चाहे मैदान चहूं ओर विपदा ही विपदा दृष्टिगोचर हो रही है। कहीं ना कहीं इसके मूल में हमारे द्वारा प्रकृति के साथ की गई छेड़छाड़ है। जब प्रकृति अपने साथ की गई छेड़छाड़ का बदला लेती है तब इसी प्रकार की स्थिति उत्पन्न होती है और इस सब के कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को हम लोग लगातार नष्ट कर रहे हैं। आज राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस का आयोजन संपूर्ण देशो के लोग कर रहे हैं यह कहीं ना कहीं उस चिंता को प्रकट करता है कि हमने अपने वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास छीन कर उनके अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है।

भारत भूषण ने कहा कि आज हजारों प्रजातियां अपने समाप्ति के कगार पर पहुंच गई हैं जिनके न रहने से यह बायोडायवर्सिटी का चक्र टूटता है तथा इसी के कारण से यह आपदाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। एक समय था कि हम लोग पहाड़ों पर केवल बहुत मजबूरी में धार्मिक यात्राओं के रूप में जाते थे परंतु आज जब चाहे जिसे देखो वह पहाड़ की तरफ भाग रहा है तथा वहां जाकर वहां के वातावरण को प्रदूषित करने के साथ ही साथ नष्ट भी कर रहा है।

गंगा सेवक मूलचंद आर्य ने कहा कि आज समय आ गया है जब हम अपनी प्रजातियों को व्यक्तिगत प्रयास से और सामूहिक प्रयास से बचाने की ओर अग्रसर हो हम इन वन्यजीवों को जितना अधिक संरक्षित कर लेंगे इतनी ही अधिक सांस हमारे जीवन में बढ़ जाएगी।

इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह चौहान विनोद कुमार बीएस बिष्ट यथार्थ भूषण एवं वासु अग्रवाल आदि की उपस्थिति विशेष रही।

बागपत में यमुना नदी का रौद्र रूप, किसानों की सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- सांकरौद जंगल में यमुना बांध में रिसाव से मचा हड़कंप

खेकड़ा (बागपत)। हथिनी कुंड बैराज से लगातार छोड़े जा रहे पानी के चलते यमुना नदी रौद्र रूप धारण किए हुए है। बुधवार को सांकरौद गांव के जंगल में बने बांध में रिसाव होने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर सिंचाई विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर मिट्टी के कट्टे डालकर लीकेज को बंद कराया। समय रहते रिसाव पर काबू पा लेने से बांध के टूटने का खतरा टल गया, लेकिन ग्रामीणों में अभी भी दहशत का माहौल बना हुआ है।

बुधवार सुबह सांकरौद जंगल में सेह के बिल के कारण बांध में रिसाव देखा गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने टोलियों में बांध की निगरानी शुरू कर दी है। उन्हें डर है कि कहीं सुभानपुर गांव जंगल में पहले हुई बांध टूटने की घटना की तरह यहां भी बड़ा हादसा न हो जाए। उधर, उफान मारती यमुना ने खेकड़ा क्षेत्र के मवीकला, सांकरौद, अब्दुलपुर और सुभानपुर सहित आसपास के गांवों की सैकड़ों बीघा गन्ना, धान और सब्जियों की फसलें अपने साथ बहा दी हैं। किसानों की खून-पसीने से तैयार की गई फसल नष्ट हो जाने से क्षेत्र के किसान गहरे सदमे में हैं। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है।

गंगा मैया की शुद्धि के वाहक हैं घड़ियाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गढ़मुक्तेश्वर। गढ़मुक्तेश्वर यूं तो इस समय बाढ़ की विभीषिका के कारण से चहूं और जल ही जल दिखाई दे रहा है परंतु इस जल के बीच भी कुछ समाचार प्रकृति के पोषण का प्रतीक बनते जा रहे हैं उन्ही में से एक है स्वर्गद्वारी पुष्पावती पूठ धाम में नर घड़ियाल का दिखाई देना। डॉल्फिन गार्जियन भारत भूषण गर्ग ने आज लगभग 15 फीट लंबे नर घड़ियाल को निहारते हुए बताया कि इतना बड़ा घड़ियाल उन्होंने भी जीवन में पहली बार देखा है नर घड़ियाल,घड़ियालों में दुर्लभ होता है यह लगभग 1000 मादा घड़ियालों के ऊपर ही एक नर घड़ियाल पाया जाता है। भारत भूषण गर्ग ने बताया कि पिछले 25 वर्षों से स्वामी विवेकानंद विचार मंच एवं लोक भारती के तत्वाधान में जो इस क्षेत्र में जलचर, वन्यजीवों एवं प्रकृति को बचाने की मुहिम चलाई जा रही है यह उसी के सुखद परिणाम है कि आज पर्याप्त मात्रा में इस रामसर साइट में जलीय जीवों का आगमन एवं विचरण बहुत ही शानदार तरीके से हो रहा है उन्होंने बताया कि इतना बड़ा घड़ियाल को देखकर लोगों में कुछ थोड़ा बहुत डर प्रारंभ में हो रहा था परंतु जब उन सबके साथ बैठक की गई तब उन्हें बताया गया कि घड़ियाल मानव को नहीं छेड़ता है वरन यह तो मृत जानवरों अथवा छोटी मछलियों का ही शिकार करता है आप इसके अधिक निकट न जाएं यदि आप ज्यादा अधिक निकट जाएंगे तब इसके हिंसक होने की संभावनाएं बन सकती हैं। उन्होंने बताया कि घड़ियाल एवं अन्य जलचरों का इस क्षेत्र में दिखाई देना यहां के लिए बहुत ही सुखद वातावरण का एहसास कराती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि यहां एक जलचर चौकी की स्थापना की जाए जिससे यहां अन्य जलचर भी निर्भीक होकर गंगा में विचरण कर सकें। इस अवसर पर उनके साथ सत्यनारायण चौहान महेश केवट मूलचंद आर्य विनोद कुमार लोधी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दी बागपत कोऑपरेटिव शुगर मिल्स की सामान्य निकाय बैठक सम्पन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। दी बागपत कोऑपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड की 18वीं सामान्य निकाय की बैठक आज जिलाधिकारी/सभापति अस्मिता लाल की अध्यक्षता में मिल परिसर बागपत में सम्पन्न हुई। बैठक में मिल संचालन एवं गन्ना किसानों के हित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट अनुमोदित किया गया तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु तैयार किए गए बजट को क्रियान्वित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही समिति की अधिकतम दायित्व सीमा का निर्धारण भी किया गया। समिति ने अवगत कराया कि विगत दो वर्षों में गन्ना मूल्य का शत-प्रतिशत भुगतान समय से किया जा चुका है, तथा पेराई सत्र 2024-25 में निर्धारित 45 लाख क्विंटल गन्ना पेराई लक्ष्य के सापेक्ष 44.88 लाख क्विंटल गन्ना पेराई कर उपलब्धि हासिल की गई। वर्तमान में किसी भी कृषक का गन्ना मूल्य भुगतान लंबित नहीं है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मिल स्थापना वर्ष 1960 से कृषकों के हित संरक्षण की भावना से कार्य कर रही है। वर्तमान डिजिटल युग में भी मिल प्रशासन द्वारा किसानों को पारदर्शी एवं समयबद्ध सूचना उपलब्ध कराने के लिए अनेक नवाचार किए गए हैं। किसानों को गन्ना आपूर्ति एवं भुगतान से संबंधित सभी सूचनाएं अब मोबाइल पर उपलब्ध हो रही हैं। ₹ई गन्ना ऐप₹ एवं ₹स्मार्ट गन्ना किसान पोर्टल₹ के माध्यम से कृषकगण गन्ना सर्वे, बेसिक कोटा व सट्टा, प्री व फाइनल कैलेंडर पर्चियों का विवरण, समिति पर्ची निर्गमन, ओवरलोड पर्चियों का समायोजन, मिल पर्ची पर तौले गए गन्ने की सूचना एवं गन्ना मूल्य भुगतान की स्थिति सरलता से प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक में बताया गया कि पेराई सत्र 2024-25 में रिकवरी रेट 10.52 प्रतिशत रहा, जबकि आगामी पेराई सत्र के लिए इसे 11 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 15 अक्टूबर तक मिल का ट्रायल पूर्ण कर लिया जाए ताकि पेराई सत्र समय से आरंभ किया जा सके। इस अवसर पर किसानों की मूलभूत सुविधाओं पर भी विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मिल परिसर में कैंटीन की व्यवस्था, टूटी सड़कों का तत्काल मरम्मत, हाई मास्क लाइटों की स्थापना, किसान भवन का सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में समिति के पदाधिकारियों, मिल अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में गन्ना कृषकों ने भाग लिया। संचालन मिल प्रबंधक ने किया। इस अवसर पर जिला गन्ना अधिकारी अमर प्रताप सिंह, उपसभापति कृष्णपाल सिंह, प्रधान प्रबंधक प्रदीप कुमार, सदस्य जयप्रकाश धामा, सदस्य चरण सिंह आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर वेंकटेश्वरा में राष्ट्रीय संगोष्ठीका आयोजन

समारोह में देश भर के 250 शिक्षकों को किया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस-2025 पर ''सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान समारोह'' एवं ''शिक्षक सिर्फ भाग्य विधाता ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निमार्ता भी'' विषय पर राष्ट्रीय संगौष्ठी का शानदार आयोजन किया गया है, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थान एवं देशभर के अलग-अलग स्कूलो के 250 से अधिक विशिष्ट शिक्षको एवं प्रधानाचार्यो को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद एवं एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलसचिव एवं विश्वविद्यालय सलाहकार प्रो0 आर0एस0 शर्मा एवं विख्यात महाकवियत्री एवं शिक्षाविद प्रो. मधु चतुवेर्दी को उनकी शानदार सेवाओ के लिए ''लाईफ टाईम अचीवमेंट पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालयय में डॉ. सी.वी. रमन सभागार में शिक्षक दिवस-2025 पर आयोजित ''सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान समारोह एवं ''शिक्षक सिर्फ भाग्य विधाता नहीं, बल्कि राष्ट्र निमार्ता भी ''विषय पर आयोजित संगौष्ठी का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, वित्त निदेशक युवराज सिंह, डॉ. पीयूष कुमार पाण्डेय, भाजयुमो अध्यश शुभम चैधरी, डॉ. यतीन्द्र कटारिया, डॉ. मधु चतुवेर्दी, शिक्षक श्योनाथ सिंह, आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि ने कहा कि आज शिक्षित युवाओ के दम पर भारत दुनिया का सिरमौर देश बनने वाला नहीं, बल्कि बन चुका है एवं इसका सारा श्रेय इन हीरो को तराशने वाले जौहरियो यानि देश के सम्मानित शिक्षको को जाता है। इस अवसर पर संस्थान के छात्र-छात्राओ ने अपने शिक्षको के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया।

इस अवसर पर वेंक्टेश्वरा के कुलसचिव प्रो. पीयूष पाण्डेय, डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ. अश्विन सक्सेना, डॉ. सुमन, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. एस.एन. साहू, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. राजवर्द्धन, डॉ. आशुतोष, डॉ. दर्पण कौशिक, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. ज्योति, डॉ. मनीष, डॉ. मंजरी राणा, अनुषा कर्णवाल, मारूफ चैधरी, एस.एस. बघेल, सी.एफ.ओ. विकास भाटिया, डायरेक्टर लीगल देवप्रताप, मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शानदार संचालन डॉ. ज्योति सिंह एवं अखिल कुमार ने किया। कार्यक्रम का शानदार संचालन डॉ. ज्योति सिंह एवं अखिल कुमार ने किया।

मांगे नहीं मानी गईं तो छात्र करेंगे अनिश्चितकालीन प्रदर्शन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

संभल। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संभल द्वारा गुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशन व दयानंद सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन एक ही भवन में संचालित होने पर विद्यार्थी परिषद द्वारा कॉलेज परिसर में प्रदर्शन किया गया जिसमें परिषद द्वारा कॉलेज में चल रहे अवैध वसूली जैसे प्रैक्टिकल के नाम पर छात्रों से पैसा वसूलना व किसी छात्र की अनुपस्थिति कम है तो उससे पैसे लेकर उसके पेपर कर दिए जाते हैं। एक भवन के अंदर दो-दो संस्थाएं संचालित की जा रही है जिसमें छात्रों के साथ धोखाधड़ी की जाती है व डी फार्मा में बिना काउंसलिंग के सीधा ऐडमिशन कर लिया जाता है और छात्रा से 500000 ले लिए जाते हैं।

ना ही कॉलेज में कोई कंप्यूटर लैब है, ना ही कोई प्रयोगशाला है और ना ही विषय अनुसार अध्यापक हैं इसी संबंध में आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कॉलेज परिसर में प्रदर्शन किया व अपने ज्ञापन में प्रशासन से चार दिन के अंदर कार्रवाई करने की मांग की है। विद्यार्थी परिषद कॉलेज के अंदर अनिश्चितकालीन प्रदर्शन किया जाएगा जिसका जिम्मेदार प्रशासन खुद होगा इस मौके पर प्रांत सहमंत्री लक्षित सिंघल ने कहा ऐसे कॉलेज द्वारा छात्रों का भविष्य अंधकार की तरफ किया जाता है इसी प्रकार के प्रबंधन समिति छात्रों की फीस लेकर उन्हें बिना किसी डिग्री दिए बाद में हाथ खड़ा कर लेती है विभाग संयोजक विकास शर्मा ने कहा कॉलेज परिसर में नहीं कोई अध्यापक है ना ही कोई प्राचार्य है और ना ही कॉलेज में कोई सुरक्षा व्यवस्था है केवल छात्रा से पैसे लिए जाते हैं और उसे ठेकेदारी पर पास कर दिया जाता है इस मौके पर विभाग संगठन मंत्री दिवाकर बावरा, जिला संयोजक संभल पीयूष बिडोलिया जिला संयोजक मीडिया शोभित मंगत जिला संयोजक SFS अपिल चौधरी, तहसील सह संयोजक हरित कसाना, हरमन ठाकुर, लकी पंडित, हर्ष सिद्ध, हितेश, शेखर प्रजापति, आदित्य प्रजापति, अमर प्रजापति, कुणाल, अपूर्व, अमर, हिमांशु आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गन्ना मंत्री की उपस्थिति में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

समझौते के तहत एनएसआई अपनी 52 एकड़ भूमि पर ब्रीडर सीड गन्ने का उत्पादन एवं संवर्धन करेगा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गन्ना उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में सुधार हेतु बीज गन्ना उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) कानपुर और उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद (यूपीसीएसआर) शाहजहाँपुर के बीच संपन्न हुआ। प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी की उपस्थिति में समझौते पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रो. श्रीमती सीमा परोहा तथा उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद के निदेशक वी.के. शुक्ल ने हस्ताक्षर किए। गन्ना मंत्री के विधान भवन स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में गन्ना मंत्री ने कहा कि एनएसआई अपनी 52 एकड़ कृषि भूमि पर अभिजनक बीज गन्ने का उत्पादन करेगा, जिसमें 20 एकड में शरदकालीन गन्ना रोपण और शेष क्षेत्र में वसंतकालीन गन्ना रोपण किया जाएगा। अगले चरण में एनएसआई अपने फार्म अतिरिक्त भूमिका उपयोग बीज गन्ना उत्पादन हेतु करेगा। यूपीसीएसआर, एनएसआई को अभिजनक की नर्सरी तैयार करने हेतु गन्ने की उन्नत किस्मों के बीज सक्षम स्तर से निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराएगा तथा वैज्ञानिकों द्वारा खेत का निरीक्षण कर आवश्यक तकनीकी सुझाव एवं मार्गदर्शन निःशुल्क उपलब्ध कराएगा। तैयार बीज गन्ने की आपूर्ति सक्षम स्तर से तय मूल्य पर आवंटन किया जायेगा। गन्ना मंत्री ने कहा कि स्वस्थ्य एवं गुणवत्ता पूर्ण अभिजनक बीज के उत्पादन एवं देख-रेख हेतु एनएसआई के अधिकारियों/कर्मचारियों को यूपीसीएसआर द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते से प्रदेश के गन्ना किसानों के लिए प्रतिवर्ष लगभग 15000 कु. अतिरिक्त ब्रीडर सीड उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से दोनों विशेषज्ञ संस्थाओं के बीज परस्पर विश्वास व तकनीकि हस्तानन्तरण में तेजी आयेगी तथा उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज गन्ना उपलब्ध होगा, जिससे गन्ना उत्पादकता में वृद्धि, किसानों की आय में सुधार तथा चीनी उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता में मजबूती आएगी।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास श्रीमती वीना कुमारी, आयुक्त श्रीमती मिनिस्ती एस0 व दोनो संस्थाओं/विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गन्ना किसानों के हित में राज्य सरकार ने लिये बड़े फैसले

पेराई सत्र 2025-26 के लिए कृषक हितैषी गन्ना सट्टा एवं आपूर्ति नीति जारी लघु महिला गन्ना किसानों व अति लघु कृषकों को गन्ना आपूर्ति में विशेष प्राथमिकता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व एवं गन्ना किसानों के व्यापक हितों के दृष्टिगत माननीय मंत्री चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास लक्ष्मी नारायण चौधरी तथा राज्य मंत्री संजय गंगवार द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के क्रम में अपर मुख्य सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, उ.प्र. शासन के दिये गये निदेर्शों के अनुपालन में आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. द्वारा पेराई सत्र-2025-26 के लिए गन्ना सट्टा एवं आपूर्ति नीति जारी कर दी गयी है। गन्ना आपूर्ति नीति के संदर्भ में प्रदेश के गन्ना कृषकों को गन्ने की पर्चियों के निर्गमन सहित आपूर्ति हेतु विस्तृत निर्देश चीनी मिलों को दिये गये हैं। सट्टा एवं आपूर्ति नीति के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए आयुक्त ने बताया कि प्रदेश की चीनी मिलों की पेराई क्षमता, किसानों की गन्ना आपूर्ति में सुविधा, लघु महिला किसानों को विशेष प्राथमिकता, गन्ना उत्पादन तथा चीनी मिलों को गन्ने की उपलब्धता में संतुलन बनाये जाने की आवश्यकता है, जिससे चीनी मिलों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पेराई हेतु गन्ना उपलब्धता के साथ किसानों का समस्त पेराई योग्य गन्ने की आपूर्ति हो सके, इन्हीं तथ्यों का संज्ञान लेते हुए गन्ना विकास विभाग द्वारा जारी पेराई सत्र 2025-26 के लिये सट्टा एवं आपूर्ति नीति में कृषक हितों के दृष्टिगत कई बदलाव किये गये हैं। इस पेराई सत्र हेतु निर्गत नीति में प्रथम बार गन्ना समिति के नये कृषक सदस्यो का सट्टा पेराई सत्र 2024-25 में सम्बन्धित चीनी मिल की औसत गन्ना आपूर्ति अथवा सम्बन्धित जिले की गन्ना उत्पादकता का 70 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो की सीमा तक गन्ना सट्टा का लाभ दिया जायेगा।

आयुक्त ने अवगत कराया कि पेराई सत्र 2025-26 हेतु में जारी सट्टा नीति में प्रदेश सरकार के मंशानुरूप लघु महिला किसानों को विशेष प्राथमिकता दी गयी है। छोटे गन्ना किसानों (81) कुन्तल सट्टाधारक) की पेड़ी गन्ने की पर्चियां 01 से 03 पक्ष में तथा पौधे गन्ने की पर्चियां 07 से 09 पक्ष में जारी करने की सुविधा प्रदान की गयी है। इस निर्णय से प्रदेश के कुल 13.12 लाख छोटे गन्ना कृषक लाभान्वित होंगे। प्रथम बार अतिलघु गन्ना किसानों (36 कु. या 04 पर्ची बेसिक मोड) एवं लघु महिला गन्ना किसान (81 कु. या 09 पर्ची बेसिक मोड) को पेड़ी पौधा को 52:48 के अनुपात से मुक्त रखते हुए, अति लघु गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत पेड़ी गन्ने की पर्चियां प्रथम पक्ष में तथा पौधे गन्ने की पर्चियां सातवें पक्ष में एवं लघु महिला गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत पेडी गन्ने की पर्चियां 01 से 03 पक्ष में तथा पौधे गन्ना की पर्चियां 07 से 09 पक्ष में जारी की जायेंगी। इससे लगभग 3.75 लाख अति लघु गन्ना कृषक तथा 6268 लघु महिला गन्ना किसान लाभान्वित होंगी। उन्होंने बताया कि पहली बार नये सदस्यों को पेराई सत्र 2025-26 में चीनी मिल की औसत गन्ना आपूर्ति अथवा संबंधित जिले की गन्ना उत्पादकता का 70 प्रतिशत, जो भी अधिक हो. की सीमा तक गन्ना सट्टा का लाभ प्रदान किया जायेगा। प्रदेश में प्रति वर्ष लगभग 02 लाख गन्ना किसान समितियों के नये सदस्य बनते है और इसका लाभ उठाते हैं। गन्ना शोध परिषद की ओर से जारी गन्ना किस्म को. 15023 की परिपक्वता के दृष्टिगत अतिशीघ्र मानते हुये गन्ने की कैलेण्डरिंग में प्राथमिकता प्रदान की गयी है, जिसमें मुख्यतः को. 15023 गन्ना प्रजाति को अगेती संवर्ग में शीघ्रतम परिपक्वता के कारण पेड़ी की पर्चियां 01 से 02 पक्ष में एवं पौधे की पर्चियां 07 से 08 पक्ष में अंकित की जायेगीं। इससे लगभग कुल 3.66 लाख किसान लाभान्वित होगे तथा चीनी मिलों को चीनी परता में वृद्धि होगी जिससे कृषकों को शीघ्र गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

इसी कम में आयुक्त ने बताया कि ऐसे नये समिति सदस्यों जिनके पास पेड़ी अथवा शरदकालीन पौधा है, उनकी पर्चियां पहली बार 5वें पक्ष से 12वें पक्ष में लगाये जानी की सुविधा प्रदान की गयी है तथा जिनके पास पौधा गन्ना है, उनकी पर्चियां गत वर्ष की भाँति 7वें पक्ष से लगेगीं। इस निर्णय से लगभग 01 लाख नये गन्ना किसानों को लाभ होगा। वर्तमान में पेराई सत्र 2025-26 हेतु जारी सट्टा नीति के अन्तर्गत गन्ना किसानों को सामान्यतः कैलेण्डर के किसी एक कालम में अधिकतम बेसिक मोड की 04 पर्चियां ही अंकित की जाएंगी, किन्तु 2500 कु. या उससे अधिक बेसिक सट्टा धारक कृषक के एक कालम में अधिकतम 08 पर्चियां अंकित की जा सकती हैं। ऐसे कृषक जिनके पास शत-प्रतिशत पेड़ी गन्ना है, उनकी 52 प्रतिशत पर्चियां 6वें पखवाड़े तक तथा शेष 48 प्रतिशत पर्चियां 07 वें से 10वें पखवाड़े में लगायी जायेगीं।

पेराई सत्र 2025-26 में यदि कृषक आवेदन करता है तो ऐसे कृषक को परिवारिक कैलेण्डर की सुविधा प्रदान की जायेगी। कृषि मजदूरों की उपलब्धता में लगातार हो रही कमी के परिप्रेक्ष्य में खेती करने में गन्ना कृषकों को सुविधा होगी। ऐसे पुराने गन्ना कृषक सदस्य जिन्होंने केवल वर्ष 2024-25 में ही गन्ना आपूर्ति की है उनके बेसिक कोटा का निर्धारण चीनी मिल की औसत सप्लाई या उस कृषक की पेराई सत्र 2024-2025 की सप्लाई दोनों में जो भी अधिक हो, उसे दी जायेगी।

प्रेरणा कार्यक्रम के लिए चयनित हुआ कोणार्क का छात्र पुलकित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

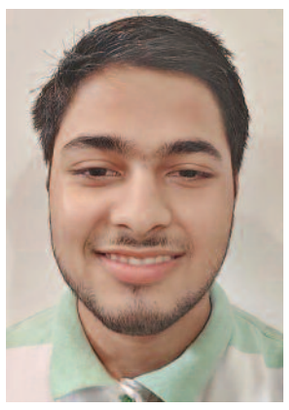

खेकड़ा (बागपत)। कस्बे की शिक्षण संस्था कोणार्क विद्यापीठ के होनहार छात्र पुलकित शर्मा का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित प्रतिष्ठित अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम प्रेरणा कार्यक्रम के लिए हुआ है। बागपत जिले से चयनित होकर पुलकित शर्मा अब गुजरात के वडनगर स्थित एक विशेष विद्यालय में एक सप्ताह के आवासीय प्रशिक्षण में भाग लेंगे।

विद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र धामा ने पुलकित को बधाई देते हुए कहा कि प्रेरणा कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के समग्र व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। इसी के आधार पर ऐसे योग्य छात्रों का चयन होता है, जिनमें देश के भविष्य को आकार देने की क्षमता हो। कार्यक्रम पूरी तरह से अनुभवात्मक और प्रेरणादायक है। इसमें चयनित छात्रों को भारतीय संस्कृति, मूल्यों और नवाचार के संगम से रूबरू कराया जाता है। साथ ही यह कार्यक्रम छात्रों को भारत की विविधता में एकता की भावना से भी जोड़ता है। पुलकित के चयन से विद्यालय में हर्ष का माहौल है। प्रधानाचार्य अतुल गोस्वामी, उपप्रबंधक अंकित धामा, रामचंद्र शर्मा आदि ने खुशी जताई।

पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना सप्लाई हेतु प्राथमिक कैलेंडर पाकर खिले गन्ना किसानों के चेहरे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। उप गन्ना आयुक्त, परिक्षेत्र मेरठ द्वारा अवगत कराया गया कि पेराई सत्र 2025-26 के सफल संचालन हेतु 1 सितम्बर,2025 से 10 सितम्बर, 2025 तक परिक्षेत्र के किसानों हेतु बंदमनचण्पद एवं म.हंददं ंच पर प्राथमिक कैलेंडर लाईव करने के साथ-साथ प्रिन्ट करा कर विभागीय एवं चीनी मिल कार्मिकों के माध्यम से गन्ना किसानों को युद्धस्तर पर भौतिक रूप से वितरित भी कराया जा रहा है। इसके उपरान्त गन्ना किसानों की आपत्तियों के एक मुश्त समाधान हेतु 11 सितम्बर, 2025 से 25 सितम्बर, 2025 तक समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन एवं आपत्ति निस्तारण का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

प्राथमिक कैलेंडर के वितरण की स्थिति जानने के लिए उप गन्ना आयुक्त, मेरठ द्वारा किसानों को प्राथमिक कैलेंडर वितरण का मौके पर जाकर निरीक्षण भी किया जायेगा।

उप गन्ना आयुक्त ने किसानों से अपील की कि वह अपने प्राथमिक कैलेंडर को प्राप्त करते हुए अपने सट्टे का अवलोकन कर लें तथा आगामी 11 सितम्बर, 2025 से 25 सितम्बर, 2025 तक चलने वाले समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेले में आपत्तियों का निस्तारण अवश्य करा लें। समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेले में गन्ना किसानो को सट्टा संशोधन का अंतिम अवसर मिलेगा।

उन्होने परिक्षेत्र की सभी परिषदों में तैनात ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को भी निर्देशित किया कि आगामी 10 सितम्बर, 2025 तक प्रत्येक गॉव में प्राथमिक कैलेंडर का वितरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करायें। प्राथमिक कैलेंडर वितरण की प्रगति के आंकडों के बारे में उन्होने जानकारी साझा करते हुए बताया कि मेरठ परिक्षेत्र के अन्तर्गत मात्र 02 दिवस में उल्लेखनीय प्रगति हुई है जिसमें लगभग 556 ग्रामों का प्राथमिक कैलेंडर प्रिन्ट हो चुका है एवं लगभग 193 ग्रामों में कैलेंडर का वितरण भी कराया जा चुका है।

हिन्दी-कविता के जनक भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के जन्मदिवस पर विशेष

डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय'

आज से 175 वर्ष पूर्व 9 सितम्बर, 1850 ई. को आधुनिक हिन्दी-कविता के जनक भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र का जन्म हुआ था। तब से अब तक हिन्दी-कविता ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे। 1997 ई. में मात्र 18 वर्ष की उम्र में मैंने भारतेन्दु जी को समर्पित चार घनाक्षरी छन्द और 'भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के पूर्वज और वंशज' शीर्षक निबन्ध लिखा था। उस वर्ष भारतेन्दु जी की 147वीं जयन्ती थी। घोरावल में कवि-पत्रकार डॉ. परमेश्वरदयाल श्रीवास्तव 'पुष्कर' के घर में अत्यन्त उत्साहपूर्वक भारतेन्दु जी की जयन्ती मनायी गयी थी। 'भारतेन्दु' पर केन्द्रित एक पुस्तक भी प्रकाशित करने की योजना थी। घोरावल क्षेत्र के हम सभी रचनाकारों ने अपने अपने ढंग से भारतेन्दु जी की स्मृति में अपना श्रद्धा-सुमन समर्पित किया था। कीर्तिशेष गुरुवर डॉ. पशुपतिनाथ दुबे, काव्यगुरु कविराज पण्डित रमाशंकर पाण्डेय 'विकल', कवि-चिकित्सक डॉ. लालजी सिंह बिसेन, आचार्य गणेशदेव पाण्डेय 'ग्रामीण' कवि-पत्रकार श्री परमेश्वरदयाल श्रीवास्तव 'पुष्कर', कवि-पत्रकार श्री करुणाकर पाठक 'करुण', श्री प्रमोदकुमार शर्मा 'अनुज', कीर्तिशेष डॉ. सुग्रीव पाण्डेय 'बच्चा', कीर्तिशेष श्री श्यामबाबू 'बृज' आदि ने गीत-कविता, छन्द, आलेख आदि लिखा था। किसी कारण से वह पुस्तक प्रकाशित नहीं हो सकी। आज 28 वर्ष बाद पुरानी फाइलों को पलटते हुए 'भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के पूर्वज एवं वंशज' शीर्षक आलेख दिखायी पड़ा। संयोग से आज भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र की जयन्ती भी है। इसलिए यहाँ घनाक्षरी-चतुष्टय और आलेख प्रस्तुत है।

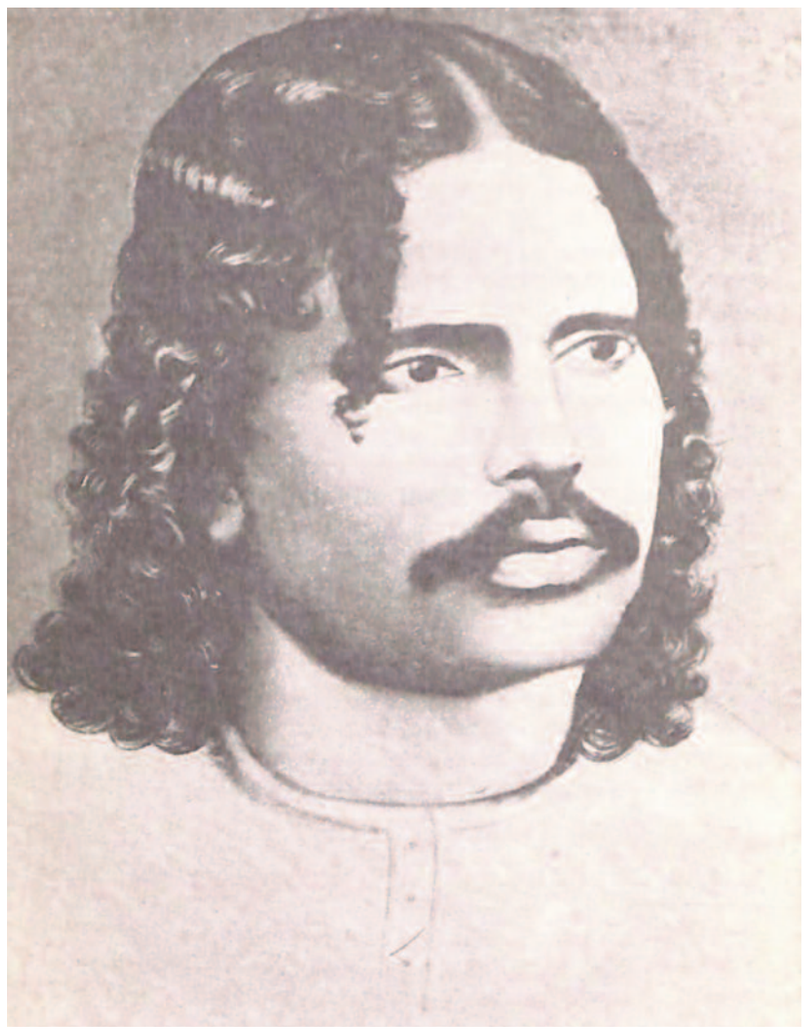

भारत की भूमि पर माता भारती का गृह,
कवि भारतेन्दु से बना सदा महान है।
दिल्ली दरबारे आम, खास में भी बात हुई,
'कालचक्र' काल का ललित संविधान है।
'हरिश्चन्द्र-चन्द्रिका' है पत्रिका की रानी श्रेष्ठ,
'विद्यासुन्दरी' से सजा नाट्य-आसमान है।
'भारत की दुर्दशा' में कुछ भी न झूठ लिखे,
कूँचे ओर गलियों में रोता हिन्दुस्तान है।।
(2)
कवि भारतेन्दु! आप असमय अस्त हुए,
छायी चारों ओर घटा घनघोर काली है।
टूटती बिखरती चतुष्पदी है आज वह,
भारती का न्यास लग रहा सच खाली है।
कण कण तृण तृण लगते उदास सभी,
भावना की वाटिका का वेदना ही माली है।
पहरे लगे हुए हैं सच पर झूठ के ही,
ठूँठ पे' सवार आज फूट मतवाली है।।
(3)
भाव पे' कुभाव का अजीब-सा प्रभाव आज,
छाया वैश्रवण पर मानो ज्यों सुमाली है।
जाति-पाति छुआ-छूत भेदभाव की विचित्र,
आधि-व्याधि अब्दियों से बनी हुई लाली है।
छिन्न-भिन्न हो गये हैं काव्य-प्रतिमान सभी,
सौतन कुलोचना चला रही दुनाली है।
संक्रमण-काल में विभक्त यह जन-मन,
देश बिना आपके ही लग रहा खाली है।।
(4)
भारतेन्दु! आप पुत्र माता भारती के धन्य,
फिर एक बार इस भारत में आइए।
विश्ववन्द्य भारती की वीणा के ललित स्वर,
हिन्दी महारानी को सुप्रीति से रिझाइए।
जगमोहन प्रताप प्रेमघन व्यास कृष्ण,
जैसे कृतिकार यहाँ अगणित लाइए।
छन्द के मनोहर सुमार्ग पर चलें कवि,
ऐसा अभियान यहाँ फिर से चलाइए।।

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के पूर्वज एवं वंशज
- डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय'

उत्तरवैदिक काल में आर्यों ने वर्णाश्रम व्यवस्था निर्धारण किया, जिसके अनुसार समाज को चार वर्णों में विभक्त किया गया। ये चार वर्ण थे– ब्राह्मण, क्षत्रिय वैश्य एवं शूद्र। वेदों में इस तथ्य का उल्लेख है कि ब्राह्मण ब्रह्मा के मुख, क्षत्रिय भुजा वैश्य ऊरु, तथा शूद्र पैर से उत्पन्न हुए हैं, जैसा कि ऋग्वेद में वर्णित है-

ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहु राजन्यः कृतः।
ऊरु तदस्य यद्वैश्य पदाभ्यां शूद्रो अजायत।।
- ऋग्वेद 10/9/12

चारों वर्णों को पृथक-पृथक कर्मों का अधिकार दिया गया, जिसमें वैश्य को चार कर्म करने का अधिकार सौंपा गया। ये चार कर्म थे- खेती, गोरक्षा, व्यापार तथा ब्याज। वैश्य वंश के प्रथम पुरुष धनपाल थे, जिनको ब्राह्मणों ने प्रताप नगर के राज्य पर आसीन कर धन का स्वामी बनाया। देवों में जो कुबेर का स्थान था, वही स्थान मनुष्यों में धनपाल को प्राप्त हुआ। धनाध्यक्ष धनपाल को आठ पुत्र एवं एक कन्या की प्राप्ति हुई। कन्या का नाम मुकुटा था, जिनका विवाह याज्ञवल्क्य से हुआ। अष्ट पुत्रों के नाम इस प्रकार हैं- शिव, नल, अनिल, नन्द, कुन्द, मुकुन्द वल्लभ और शेखर।

अश्वविद्या शालिहोत्र के आचार्य विशाल राजा की पद्मावती, मालती, कान्ती, शुभ्रा, भव्या, भवा, रजा और सुन्दरी नामक कन्याओं से धनपाल के अष्ट पुत्रों का विवाह हुआ। धनपाल की ये पुत्रवधुएँ वैश्यों में आज अष्टमात्रिका के रूप में जानी जाती हैं।

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र 'अगरवालों की उत्पत्ति' नामक पुस्तक में लिखते हैं- 'इन आठ पुत्रों में नल नामा पुत्र जोगी दिगम्बर होकर बन में चला गया और सात पुत्रों ने सात द्वीप का अधिकार पाया। और पृथ्वी में इनका वंश फैल गया। जम्बूद्वीप में विश्य नामा राजा हुआ जो आठ पुत्रों में शिव के कुल में था और उस विश्य को वैश्य हुआ। उसके वंश में एक सुदर्शन राजा हुआ, जिसके दो स्त्रियाँ थीं, जिनके नाम सेवती और नलिनी थे। उसका पुत्र धुरन्धर हुआ। इसी धुरन्धर का पड़पोता समाधि नामा वैश्य हुआ था। इसी समाधि के वंश में मोहनदास बड़ा प्रसिद्ध हुआ, जिसने कावेरी के तट पर श्रीरंगनाथजी के बहुत से मन्दिर बनाये। इसका पड़पोता नेमिनाथ हुआ, जिसने नैपाल बसाया और उस का पुत्र वृन्द हुआ, जिसने श्रीवृन्दावन में यज्ञ करके वृन्दा देवी की मूर्ति स्थापना किया। इस वंश में गुर्जर बहुत प्रसिद्ध हुआ, जिसके नाम से गुजरात का देश बसा है। इसके वंश में हीर नामा एक राजा हुआ, जिस के रंग इत्यादिक सौ पुत्र थे, जिनमें रंग ने तो राज पाया और सब बुरे कर्मों से शूद्र हो गये और तप के बल से फिर इन लोगों के वंश चलाये, जिनके वंश के लोग वैश्य हुए पर उनके कर्म शूद्रों के-से थे। रंग का पुत्र विशोक हुआ, उसके पुत्र का नाम मधु और उसका पुत्र महीधर हुआ। महीधर ने श्री महादेव जी को प्रसन्न करके बहुत से वर पाये। इसके वंश में सब लोग व्योहार में चतुर और सब धन और पुत्र से सुखी थे।' (भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र : अगरवालों की उत्पत्ति, भारतेन्दु-समग्र (सम्पादक- हेमन्त शर्मा), हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी, प्रथम संस्करण 1987 ई., पृ. 585)।

कालान्तर में वैश्य वंश में वल्लभ नामक राजा हुए, जिनके सुदिव्य भवन में प्रतापी अग्र की उत्पत्ति हुई, जिनको अग्रनाथ एवं अग्रसेन भी कहते हैं। अग्रसेन ने प्रताप नगर को ही अपनी राजधानी बनाया। यह नगर धनधान्य से परिपूर्ण था। उसी समय नागलोक से नागों का कुमुद नामधारी राजा अपनी माधवी नामधेया कन्या के साथ भूलोक पर आया, उसकी सुन्दरता से मोहित होकर इन्द्र ने नागराज से वह कन्या माँगी, परन्तु नागराज ने इन्द्र को कन्या न देकर उसका विवाह अग्रसेन से कर दिया। माधवी ही अग्रवालों की जननी हैं और तभी से नागों को अग्रवालों में मातुल मानने की परम्परा है।

इसी पुराणप्रसिद्ध अग्रवाल वंश में काशी के प्रतिष्ठित वैश्य परिवार में राय बालकृष्ण का जन्म हुआ, जिनको तीन पुत्र हुए, जो फकीरचन्द लक्ष्मीराम और दलपतराय के नाम से जाने गये। अपने वंश का वर्णन करते हुए 'उत्तरार्द्ध भक्तमाल' में भारतेन्दु जी ने लिखा है-

वैश्य अग्रकुल मैं प्रगट बालकृष्ण कुल पाल।
ता सुत गिरिधर-चरन रत वर गिरिधारी लाल।।
अमीचन्द तिनके तनय फतेचन्द ता नन्द।
हरखचन्द जिनके भये निज कुल सागर-चन्द।।
श्री गिरिधर गुरु सेइ कै घर सेवा पधराइ।
तारे निज कुल जीव सब हरि पद भक्ति-दृढ़ाइ।।
तिनके सुत गोपाल ससि प्रगटत गिरिधरदास।
कठिन काम गति मेटि जिनि कीनी भक्ति प्रकास।।
मेटि देव-देवी सकल छोड़ि कठिन कुल-रीति।
थाप्यो गृह में प्रेम जिन प्रगाट कृष्ण पद प्रीति।।
पारवती की कूख सों तिनसो प्रगट अमन्द।
गोकुलचन्द्राग्रज भयो भक्त दास हरिचन्द।।
- उत्तरार्द्ध भक्तमाल, छन्द संख्या 48-53, भारतेन्दु-समग्र, पृ. 68

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र का जन्म राय बालकृष्ण के कुल में हुआ। इनके पूर्वज अंग्रेजों के कृपापात्र ही नहीं, विश्वासपात्र भी थे। 'भारतेन्दु-समग्र' के सम्पादक हेमन्त शर्मा ने लिखा है- 'भारतेन्द्र जी उस अमीचन्द की पाँचवीं पीढ़ी में पैदा हुए थे जिसने आपनी सम्पत्ति और बुद्धि का इस्तेमाल बंगाल में अंग्रेजों का पैर जमाने के लिए किया था। उसने देशद्रोह के पैसे से अपनी तिजोरियों भरी, किन्तु क्लाइव ऐसे धूर्त ने अन्त में उन्हें निराश ही किया। फिर भी अंग्रेज भारतेन्दु के परिवार पर भरोसा करते थे। 1857 के विद्रोह के समय बनारस रेजीडेंसी का बहुत-सा सामान भारतेन्दु के पिता बाबू गोपालचन्द्र के पास अंग्रेजों ने सुरक्षा की दृष्टि से रखा था। ऐसे में भारतेन्दु का परिवार अंग्रेजों का कृपापात्र भी था और विश्वासपात्र भी।' (भारतेन्दु-समग्र, पृ. 15)।

पिता बाबू गोपाल चन्द्र

युवक हरिश्चन्द्र

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के पिता बाबू गोपालचन्द्र उपनाम गिरिधरदास जी मूर्धन्य विद्वान् और उच्चकोटि के ब्रजभाषा के कवि थे। उनके 'जरासन्ध-वध' नामक महाकाव्य की निम्नांकित पक्तियाँ कितनी सरस और हृदय ग्राही हैं-

चलेउ भूप गोनर्द वर्दवाहन समान बल।
संग लिये बहु मर्द सर्द लाख होत अपर दल।
फेंटा सीस लपेटा गल मुकुता की माला।
सिर केसर को पुण्ड्र घरे पचरंग दुसाला।
रथ चारु जराऊ सोहती रूप सबन मन मोहतो।
कश्मीर भूप भार रिसि लसी मथुगपुर दिसि जोहतो।।

भारतेन्दु का जन्म भदैनी-निवासी मातामह सेठ खिरोधरलाल के सुदिव्य भवन में सोमवार, भाद्रपद शुक्ल ऋषि पंचमी, विक्रमाब्द 1907 तदनुसार 9 सितम्बर, 1850 ई. को हुआ। भारतेन्दु जी ने मात्र सात वर्ष की अपनी अबोध अवस्था में अपने मासूम आँखों से देश के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम का भयानक दृश्य देखा था। रक्तरंजित धरती के वीभत्स स्वरूप ने बालक हरिश्चन्द्र के हृदय को झकझोर दिया, जिससे कविता की अजस्र निर्झरिणी प्रवाहित हुई-

ले ब्योढ़ा ठाढ़े भये श्री अनिरुद्ध सुजान।
बाणासुर के सैन्य को हनन लेगे भगवान।।

भारतेन्दु जी को माता-पिता का दुलार बहुत बहुत समय तक न प्राप्त हो सका। जब इनकी अवस्था मात्र पाँच वर्ष की थी, तभी इनकी माताजी की मृत्यु हो गयी और नौ वर्ष की अल्पायु में ही पिता की छत्रच्छाया भी इनके सिर से उठ गयी थी। भारतेन्दु जी को कुछ समय तक विमाता के फरेबी शासन के अधीन रहना पड़ा। इन्होंने प्रारम्भिक शिक्षा क्वीन्स कॉलेज वाराणसी से पूर्ण की तथा हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू, अरबी, फारसी और बांग्ला आदि भाषाओं का बृहद् अध्ययन घर में ही किया।

भारतेन्दु बाबु हरिश्चन्द्र जी ने 17 वर्ष की अवस्था में 'कविवचन-सुधा' का सम्पादन किया, जिसमें उस समय के उद्भट विद्वान् अपनी रचनाओं के प्रकाशन से गौरव की अनुभूति करते थे।

व्यक्तिगत जीवन की स्वछन्द प्रवृत्ति संवहन के साथ साथ प्रशासनिक स्तर पर 1870 ई. में बाबू हरिश्चन्द्र ऑनरेरी मजिस्ट्रेट तथा 1876 ई. में लो म्यूनिस्पल कमिश्नर के पद पर नियुक्त हुए। शिक्षा के प्रति इनके समर्पित व्यक्तित्व का परिचायक आज भी हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय है। हिन्दी डिबेटिंग क्लब अनाथरक्षिणी तदीय समाज और काव्य समाज जैसी संस्थाओं के संस्थापक भी भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र रहे।

बाबू हरिश्चन्द्र परम्परा से चली आ रही सामन्ती मयार्दाओं को तोड़कर कजली और लावनीबाजों के बीच बैठकर कजली तथा लावनी गाने में तनिक भी नहीं हिचकते थे। उनकी मित्र-मण्डली में काशी-नरेश से लेकर बनारस की गली में घूमनेवाले जन साधारण भी सम्मिलित थे। उनका बहुआयामी व्यक्तित्व उनके पौत्र सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. मोतीचन्द्र के इस कथन से स्पष्ट होता है- 'भारतेन्दु का हँसता हुआ व्यक्तित्व बनारस की कहावत बन गया है। भारतेन्दु शायद ही किसी से अप्रसन्न हुए हों, अपने निकट विरोधियों को भी वह अपनी सरलता और हास्यप्रियता से अपने बस में कर लेते थे। हिन्दी को लेकर राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' से जो उनका विवाद हुआ था, वह इतिहासप्रसिद्ध घटना है। पर जहाँ तक राजा साहिब, के साथ उनके पारस्परिक सम्बन्ध का प्रश्न था, उसमें कटुता नहीं आयी और वे राजा साहिब को बड़े सम्मान की दृष्टि से देखते थे। उनके खुले विचारों के कारण बनारस के बैष्णव अप्रसन्न रहते थे। पर वे बराबर उनके विरोध को हँसकर टाल देते थे। इसी ज़िन्दादिली के फलस्वरूप उन्होनें रईसी को ताख पर रखकर बनारस के सर्व साधारण से अपना परिचय बढ़ाया और बराबर उनके साथ हँसे-हँसाये। 'प्रेम योगिनी' का यथार्थवाद इस बात का परिचायक है कि भारतेन्द ने अपने युग के बनारस की डूबकर झाँकी ली और उसकी बुराइयों और भलाइयों को हँसकर हमारे सामने रखा।' (डॉ. मोतीचन्द्र : भारतेन्दु-समग्र, पृ. 29)।

बाबू हरिश्चन्द्र को 1880 ई. में 'भारतेन्दु' की उपाधि मिली, जिसके सम्बन्ध में पण्डित रमाशंकर व्यास जी लिखते हैं- 'सन् 1880 ई. के 20 सितम्बर के 'सारसुधानिधि' पत्र में हमने बाबू साहिब को 'भारतेन्दु' की पदवी देने के लिए एक प्रस्ताव छपवाया था और उसके छप जाने पर भारतवर्ष के हिन्दी-समाचारपत्रों ने उस पर अपनी सम्मति प्रकट की और सब पत्र के सम्पादक तथा गुणग्राही विद्वान्-लोगों ने मिलकर उनको 'भारतेन्दु' की पदवी दी, तब से वह भारतेन्दु लिखे जाते थे।' (पण्डित रमाशंकर व्यास : भारतेन्दु-समग्र, पृ. 1112)।

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र ने अपने अल्पकालिक उम्र में छोटे-बड़े लगभग 150 ग्रन्थों की रचना की। भारतेन्दु जी कुशल कवि, सिद्ध लेखक एवं सफल सम्पादक थे। उस समय में जितनी विधाएँ प्रचलित थीं, सब पर भारतेन्दु ने अधिकारपूर्वक लेखनी चलायी है।

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र का 1885 ई. में स्वर्गवास हो गया। उस समय उनकी अवस्था 34 वर्ष 3 माह 28 दिन 17 घण्टा 7 मिनट और 48 सेकेंड की थी। उसी अवसर पर साहित्य के आकाश में इन्दु की भाँति देदीप्यमान साहित्यकार भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र की अन्त्येष्टि किया में सम्मिलित होने के लिए उनके अनुज बाबू गोकुलचन्द्र द्वारा श्लोकबद्ध निमन्त्रण-पत्र वितरित किये गये थे, जो उनके गोलोकवासी होने के उपरान्त भी साहित्यिक परिवेश अविकल बने रहने का ज्वलन्त प्रमाण है। उस मंगल के अमंगल की स्मृति में आयोजित शोक-सभा के निमन्त्रण-पत्र का स्वरूप निम्नवत् है-

कला लयो विष्णुपदाश्रयश्च
सुधासमाप्लावित दिग्विभागः।
श्रीमान् 'हरिश्चन्द्र' इति प्रसिद्धि,
यो भारते भूत्किल भारतेन्दुः।।
तदोयसख्येन महानुभावाः
यशः प्रकाशैः परिपूरिताशाः।
दयादृशा सूरिवरा भवन्तः
पुनन्तु दत्वा ननु दर्शनेनः।।
आपका सेवक,
गोकुलचन्द।
- भारतेन्दु-समग्र, पृ. 1110

भारतभूषण भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के पूर्वज राय बालकृष्ण अपने समय में काशी प्रान्त के सम्भ्रान्त नागरिक एवं महाराज काशी के सामन्तों में अति विशिष्ट स्थान रखनेवाले थे। भारतेन्द्र बाबू के पूर्वज जग-जाहिर थे। कहा जा सकता है कि पूर्वजों की कीर्ति ने भारतेन्दु के व्यक्तित्व को महिमा-मण्डित किया और भारतेन्दु ने पूर्वजों को श्रीकीर्ति को सतत आलोकित संवर्धित ही किया।

भारतेन्द्र बाबू हरिश्चन्द्र के पूर्वज भले ही अंग्रेजों के पिट्ठू, कृपापात्र और विश्वासपात्र रहे हों, परन्तु भारतेन्द जी के वंशज अधिकांशतः विद्वान् तथा साहित्यकार ही हुए। सन् 1892 ई. में भारतेन्दु जी के फुफेरे भाई राय प्रहलाददास जी के सुपुत्र श्री राय कृष्णदास का जन्म हुआ, जो साहित्य और कला के उद्भट विद्वान् थे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी स्थित 'भारतीय-कला-भवन' इनकी स्मृति को जीवन्तता प्रदान करता है। सन-1980 ई. में भारत सरकार द्वारा इन्हें पद्मभूषण की उपाधि से विभूषित किया गया और इसी वर्ष हिन्दी की सेवा करते हुए माँ भारती की की गोद में विलीन हो गये। इसी क्रम में भारतेन्दु बाबू के अनुज-पौत्र डॉ. मोतीचन्द का स्थान साहित्य, इतिहास, कला के साथ साथ विभिन्न प्रशासनिक पदों पर आसीन रहने के कारण विशेषतः उल्लेख्य है। भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के फुफेरे भाई श्री राधाकृष्णदास, दौहित्र-पुत्र बृजरत्नदास और डॉ. बृजकिशोर अग्रवाल फुफेरे भाई राय प्रहलाददास के पौत्र डॉ. राय आनन्दकृष्ण, प्रपौत्र डॉ. राय कल्याणकृष्ण एवं परिवार के डॉ. गिरीशचन्द्र चौधरी का साहित्य, कला और इतिहास के क्षेत्र में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान है।

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र का आधुनिक हिन्दी-कविता के जनक हैं। उनका कालजयी प्रदेय युग-युगान्तर तक स्मरणीय रहेगा। भारतेन्दु के काव्यावदान का स्मरण करते हुए 'नई कविता' के ध्वजवाहक कवि डॉ. जगदीश गुप्त ने अपनी पुस्तक 'छन्दशती' में 'चन्द-हरिचन्द' शीर्षक से दो छन्द भारतेन्दु जी को समर्पित किया है। यहाँ दोनों छन्द प्रस्तुत हैं-

मेघ दुरे बिथुरी अलकावली मैं, नभ नैनन तैं नियरान्यो।
खोइ मयूखैं गयीं मुसुकानि मैं, बानि मैं आनि पियूख लुभान्यो।
माधवी-मल्लिका सौं मिलि अंक, कलंक हू मोहक ह्वै महकान्यो।
चाँदनी प्रानन पूरि रही, हरिचन्द के हीय मैं चन्द समान्यो।।
नाम बीच आन्यो, उपनाम मैं समान्यो चन्द,
चन्द ही प्रतीक जाकी कीरति अमन्द को।
जानो मन मान्यो ब्रजचन्द चाहि, प्रानन मैं-
जाके फहरान्यो पटपीत नन्द नन्द को।
बिपथ बिलोकि ताहि, रोकि कै हिरन-रथ,
सहज सहारो गहि किरन-कमन्द को।
दै गयो सुधा की रस-धार बसुधा पै आइ,
लै गयो कलंक हरि चन्द हरिचन्द को।।
- छन्दशती, पृ. 34

इस प्रकार भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र के व्यक्तित्व एवं कृर्तृत्व के साथ-ही-साथ उनके पिता गिरिधरदास बाबू गोपालचन्द्र तथा वंशजों का भी साहित्य, कला और संगीत में अभूतपूर्व योगदान अविस्मरणीय है, जिनसे हम सबको प्रेरणा लेकर मानवतावादी स्वर मुखरित करते हुए सद्साहित्य-सर्जना में निरत रहना चाहिए, तभी भारत-भारती के प्रति देखे गये भारतेन्दु के स्वप्न चरितार्थ होगें और यही उनके प्रति सच्ची सेवा और श्रद्धांजलि होगी।

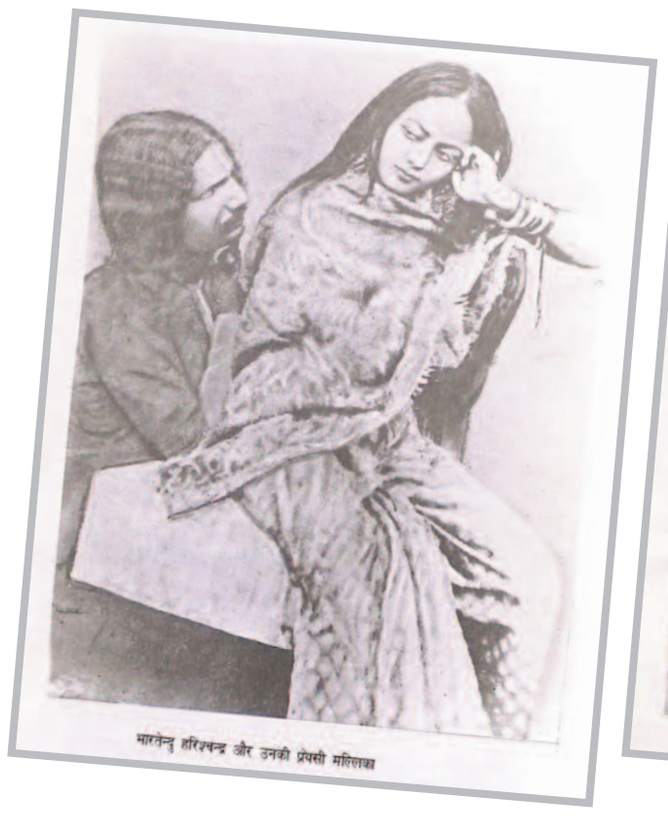

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनकी प्रेयसी मल्लिका

भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र

'ऊर्जस्वी कुलश्रेष्ठ कुटुम्ब' के अभिभावक डॉ.रहीस सिंह की पुस्तक 'कैकेयी के राम' का हुआ लोकार्पण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। राष्ट्रीय पुस्तक मेला। लखनऊ के महाराणा प्रताप मार्ग स्थित बलरामपुर गार्डन में 4 सितंबर से प्रारंभ हो चुके दस दिवसीय लखनऊ पुस्तक मेले में विद्वानों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। मेले के भीतर एक ओर जहां पुस्तकों की चमक है, वहीं नवीन रचनाओं की रिलीजिंग एवं विद्वत वाणियों का समागम भी हो रहा है। इसी कड़ी में ख्यातिलब्ध लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. रहीस सिंह की वाणी प्रकाशन से प्रकाशित नवीनतम कृति 'कैकेयी के राम' का लोकार्पण एवं परिचर्चा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या के सिद्ध पीठ हनुमतधाम के पीठाधीश्वर के आचार्य मिथिलेश नंदिनीशरण जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। विशेष अतिथियों के रूप में दैनिक जागरण के राज्य संपादक आशुतोष शुक्ला, टाइम्स आफ इंडिया के संपादक प्रवीण कुमार, नवभारत टाइम्स के संपादक सुधीर मिश्रा तथा अमर उजाला के संपादक विजय त्रिपाठी एवं पायनियर के संपादक डॉ. देवेंद्र सिंह ने पुस्तक के विभिन्न आयामों पर परिचर्चा की। उन्होंने इस पुस्तक की असीमित संभावनाओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

टाइम्स इंडिया के संपादक प्रवीण कुमार ने लेखक रहीस सिंह के तीन दशकों के लेखकीय अनुभव की चर्चा करते हुए विश्वास जताया कि यह पुस्तक दूर तक की यात्रा तय करेगी।

दैनिक जागरण के राज्य संपादक आशुतोष शुक्ला ने पुस्तक के अंश का पाठ करते हुए राम के प्रति कौशल्या और कैकेयी की दृष्टि के अंतर को स्पष्ट किया तथा कैकेयी को राम के लोक नायक रूप की कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम अवतार नहीं साधारण व्यक्तित्व वाले थे। राम जी हमेशा अपेक्षा नहीं करते कि वे जो भी कर रहे हैं, समाज उसका अनुकरण करे। यह हमारे ऊपर है कि उस रामत्व के अंश को आत्मसात करते हैं या नहीं। राम बनना बहुत कठिन है, हर व्यक्ति अगर राम बन जाएगा तो राम का महत्व नहीं रहेगा, लेकिन हमें उस रामत्व को आत्मसात करना होगा।

नवभारत टाइम्स के संपादक सुधीर मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि हम सबके जीवन में कैकेई जैसे चरित्र होते हैं। अगर कैकेई न होतीं तो श्रीरामचरितमानस न होती। अगर वे न होतीं तो भगवान श्रीराम को अयोध्या से न निकलते और न ही उन्हें हनुमानजी जैसा भक्त मिलता। हम रावण के चरित्र से अंजान रह जाते। कैकेई का भगवान श्रीराम के प्रति कोई दुराव या चिढ़ नहीं थी, लेकिन उन्हें अपने बेटे के प्रति अत्यन्त प्रेम था। श्री मिश्र ने राम के जीवन को पढ़ने वाले लोगों के द्वारा राम को अपने आचरण में न उतारने पर भी चिंता प्रकट की। उन्होंने कहा कि श्री रहीस सिंह जी ने अपनी इस किताब में लिखा है उसमें समाज के इन्हीं ताने बाने का ख्याल रखा गया है।

अयोध्या के सिद्ध पीठ हनुमतधाम के पीठाधीश्वर के आचार्य मिथिलेश नंदिनीशरण जी महराज ने लेखक रहीस सिंह को बधाई देते हुए कहा कि जब कोई पुस्तक लिखी जाती है तो उसकी सैधांतिकी ये है इसके चार अनुबंध होते हैं, यदि वे चारों अनुबंध पूरे होते हैं तो वह पुस्तक लेखन सार्थक होता है।

ऐसी पुस्तक लम्बे समय तक अपने पाठकों के बीच जीवित रहती है। हम जानते हैं कि श्रीराम को जानने वाले, मानने वाले उन्हें चाहने वाले देशकाल में बहुत दूर तक फैले हुए हैं उन्होंने अपनी सुविधाओं के राम तराशे हैं, इसलिए श्रीराम जी के कई ध्वज हमें भारत और सम्पूर्ण विश्व में मिलते हैं। उन्होंने इस पुस्तक के शीर्षक के लिए लेखक रहीस सिंह को बधाई दी।

अपने सम्बोधन में लेखक रहीस सिंह ने कहा कि कैकेयी कहती हैं कि हे राम मेरा जो भी था वह मैंने राम बनाने में तुम्हें अर्पित कर दिया है। यह संसार मुझे कैसे सोचेगा यह मुझे नहीं इस संसार को सोचना है। राम त्रिलोकदर्शी हैं, लेकिन वे पेड़-पौधों, पशुओं, पक्षियों से माता सीता का पता पूछ रहे हैं, वे तीन पग में पूरा ब्रह्मांण नाम लेते हैं, लेकिन वे केवट से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें गंगा पार करा दीजिए। यह लोक संवेदनाएं उन्हें प्रतिमान बनाकर स्थापित करने का कार्य स्वयं श्रीराम सहज रूप से करते रहे। राम ने अपने पुरुषार्थ, अपनी करुणा, अपनी दया, अपनी मयार्दा अपने मूल्य से संसार रचा, जिसमें हम आज कथा सुनते हैं, स्मरण करते हैं। अगर हम उन्हीं लोक मयार्दाओं, संवेदनाओं के लिए कुछ कर लें तो हमारा जीवन सार्थक हो जाएगा।

कैकेयी के राम सबके राम हैं, वे राजाराम नहीं वे तपस्वी राम है, वे त्याग की प्रतिमूर्ति राम हैं। इस पुस्तक को लिखने की दृष्टि मुझे पूज्य संतों, पूज्य गुरुओं व स्वयं भगवान ने दी, जिसके चलते यह पुस्तक संभव हो सकी।

यशोदा मेडिसिटी में मेगा पल्मोनोलॉजी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। यशोदा मेडिसिटी, इंदिरापुरम ने रविवार को मेगा पल्मोनोलॉजी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। शिविर में फेफड़ों की शुरूआती जांच, विशेषज्ञ परामर्श और सांस की सेहत पर जागरूकता एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई। आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

शिविर में वरिष्ठ पल्मोनोलॉजी विशेषज्ञ–डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. के.के. पांडे, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. अंकित भाटिया और डॉ. शेखर वर्शने–ने सेवाएं दीं। इसी संदर्भ में, यशोदा इंस्टिट्यूट ऑफ रेस्पिरेटरी मेडिसिन एंड इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी विशेष रूप से फेफड़ों और स्लीप डिसऑर्डर्स के लिए व्यापक एवं विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करता है। यहां अस्थमा, सीओपीडी, फेफड़ों के इंफेक्शन, इंटरस्टिशियल लंग डिजीज, टीबी और स्लीप एपनिया जैसी बीमारियों का सटीक निदान और प्रभावी उपचार उपलब्ध है। संस्थान में एडवासंड पीएफटी विद बॉडीबाक्स, सीपीईटी, एडवासंड ब्रोनोस्कॉपी, ईबीयूएस, थोरोसकॉपी, क्रायोपैथी और टीएपी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। डॉ. पी.एन. अरोड़ा, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा मेडिसिटी ने कहा कि सांस की सेहत बहुत महत्वपूर्ण है। समय पर जांच और रोकथाम गंभीर समस्याओं से बचा सकती है। हमारा यह पल्मोनोलॉजी शिविर लोगों तक विशेषज्ञ देखभाल और जागरूकता पहुँचाने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती है। डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि जब लोग समय रहते फेफड़ों की जांच कराते हैं, तो गंभीर समस्याओं से बचने की संभावना सबसे अधिक होती है। आज की भागीदारी यह दर्शाती है कि लोग अपनी सेहत के प्रति अधिक सजग हो रहे हैं। डॉ. के.के. पांडे ने कहा कि बढ़ती प्रदूषण और जीवनशैली की चुनौतियों के बीच जागरूकता और नियमित जांच बहुत जरूरी है। ऐसे शिविर लोगों को ज्ञान और रोकथाम से लैस करते हैं ताकि वे अपने फेफड़ों की सुरक्षा कर सकें।

बुद्धि का ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ ज्ञान है: बी के रामनाथ भाई

मन और बुद्धि को जानने के बाद प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के धार्मिक प्रभाग माउंट आबू के प्रमुख प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू के ज्ञान सरोवर परिसर में सम्पन्न धार्मिक प्रभाव के प्रमुख संयोजक ब्रह्मा कुमार रामनाथ भाई ने मन और बुद्धि का विश्लेषण करते हुए बताया कि गीता में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा तुम देख नहीं सकते हो, मैं आपको दिव्य दृष्टि देता हूं, तो अर्जुन किसको देख रहा था? बुद्धि का ज्ञान नहीं है, अंत में युद्ध करने के लिए तैयार नहीं है, तो उसे ज्ञान प्रदान किया। पूरे विश्व के किसी भी विश्वविद्यालय में बुद्धि का ज्ञान नहीं है। फोकस का मन मन लगाइए तो पावर। मन के द्वारा पावरफुल वाइब्रेशन। मोबाइल में 10 नंबर डालो 1 मिनट के अन्दर अमेरिका चला जाता। आवाज कैसेगई ? जीवन के अंदर ग्रहण करें। मन बहुत भटकता है ,विचलित है इंद्रियों के पीछे? तो जिसने इंद्रियों के ऊपर अधिकार प्राप्त किया वह मन के ऊपर भी अधिकार प्राप्त कर सकता है इसीलिए कहा जाता है मन जीते जगत जीत। जिसने मन को जीता, उसने जगत को जीत, राजाओं का राजा अर्थात इंद्रियों के राज्य प्राप्त करके मन के ऊपर अधिकार प्राप्त करना यही राजयोग है।

संपूर्ण ब्रह्मांड में ही शांति, परम शांति का उद्घोष करती हैवैदिक संस्कृति: स्वामी राजन

प्राण नाथ ज्ञानपीठ के अधिष्ठाता स्वामी राजन जी महाराज ने स्पष्ट कहा कि भारत ही वह पुण्य भूमि है जहां सर्वप्रथम ईश्वरीय ज्ञान के रूप में वैदिक ऋचाओं के स्वर गूंजे। यहां के वनों में ऋषियों ने अध्यात्म के गहन रहस्यों को ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषदों के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि संसार के अन्य देशों में जहां सीमित क्षेत्र में ही शांति की बात कही जाती है वहीं पर यह वैदिक संस्कृति की महानतम उपलब्धि है जो केवल पृथ्वी पर ही नहीं बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड में ही शांति, परम शांति का उद्घोष करती है। द्यौ शांति, अंतरिक्षम शांति, पृथ्वी शांति, वनस्पत्यः शान्ति आदि के कथनों का यही आशय है। भारतवर्ष के हर प्रान्त में, हर जिले में, हर गांव में, एक पुस्तकालय होना चाहिए जिसमें हमारे धर्म की पुस्तक हों, वेद हों, और साथ ही साथ गुरुकुलों का विस्तार हो जहां पर वेदों का ज्ञान प्रतिपादित किया जाए तभी भविष्य मे मानव पृथ्वी पर स्वर्ग बसा सकता है और भारतवर्ष विश्वगुरु बन सकता है।

एक संकल्प भी पृथ्वी पर फैली अशांति को शांति में बदल सकता है: ब्रह्मा कुमार नारायण भाई

मन के संकल्पों की व्याख्या करते हुए और संकल्पों की शक्ति के बारे में बताते हुए इन्दौर जोन के प्रभारी और मुख्यालय मे धार्मिक विंग के ब्रह्मा कुमार नारायण भाई ने बताया कि जिस प्रकार एक एटम बम बहुत सा विनाश कर सकता है उसी प्रकार मन के भीतर का एक संकल्प भी पृथ्वी पर फैली हुई अशांति को शांति में बदल सकता है। मनुष्य के मन में 1 मिनट में 24 से 40 संकल्प चलते हैं और यदि राजयोग के द्वारा इनकी संख्या घटकर चार से आठ तक ले आई जाए तो मनुष्य को आत्मिक शांति, सुख और आनंद की अनुभूति होने लगती है। उसके अंदर से जो तरंगे निकलती हैं वह पूरेविश्व मेंशांति लाने मे सहायक सिद्ध होती हैं।

शिक्षा और संस्कार से वंचित बच्चों को मुख्यधारा में लाने का लिया संकल्प

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शिक्षा ही वह साधन है जो किसी भी राष्ट्र को विश्व गुरु बना सकता है। यह तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग, विशेषकर वंचित बच्चों तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचे। इसी उद्देश्य को लेकर पावन चिंतन धारा आश्रम के संस्थापक डॉ. पवन सिन्हा गुरूजी ने अनौपचारिक विद्यालय के रूप 'ऋषिकुलशाला' प्रकल्प आरंभ किया। रविवार को गाज़ियाबाद के पिपलेश्वर महादेव मंदिर, राजनगर एक्सटेंशन में इसका वार्षिकोत्सव मनाया गया। गौरतलब है कि वर्ष 2011 में एक कमरे से शुरू हुई ऋषिकुलशाला की यह यात्रा 2019 में नई ऊँचाई पर पहुँची, जब तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इसके विस्तार योजना का विधिवत उद्घाटन किया। वर्तमान में ऋषिकुलशाला देश के 9 राज्यों में 25 केंद्रों के माध्यम से 2500 से अधिक बच्चों को शिक्षा और संस्कार प्रदान कर रही है। इसका उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास जगाना, उन्हें सम्मान देना और समाज में भेदभाव मिटाकर जिम्मेदार नागरिक बनाना है। ऋषिकुलशाला वार्षिकोत्सव में महिंद्रा एंक्लेव-शास्त्री नगर, गोविंदपुरम और राजनगर एक्सटेंशन केंद्रों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। छोटे बच्चों द्वारा मंत्रोपचार के साथ सूर्य नमस्कार की अदभुद प्रस्तुति के साथ गीत गायन एवं नृत्य की प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि यदि इन बच्चों को भी उचित प्रशिक्षण और साधन मिले तो ये भी बहुत कुछ कर सकते हैं और देश के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। बच्चों का उत्साह देख कर दर्शक भावविभोर हो उठे।

डॉ. पवन सिन्हा गुरूजी ने अपने संबोधन में कहा कि आज भी देश में साढ़े चार करोड़ बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। उनकी आँखों में सपनों की रौशनी है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह बुझने न पाए। समाज का हर वर्ग आगे आए और इन बच्चों की शिक्षा में सहयोग देकर सच्चा राष्ट्रभक्त बने।ह्व ज्ञातव्य हो कि ऋषिकुलशाला जहाँ एक ओर राजधानी दिल्ली की बस्तियों में शिक्षा और संस्कार पहुंचा रहा है वहीं दूसरी ओर बिहार के सिवान के एक मुसहर टोला गाँव जहाँ अत्यंत गरीबी है, वहाँ के बच्चों को भी आपने सेवाएं प्रदान कर रहा है।

शिक्षा तभी सार्थक है जब उसमें संस्कारों और नैतिक मूल्यों का समावेश हो: रणबीर गंगवा

गुरु वो ज्ञान के अंधेरे से निकलकर ज्ञान के उजाले की तरफ ले जाए: भ्राता भारत भूषण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय तिराना स्थित दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस सभागार में आयोजित नेशनल टीचर्स डे कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि हरियाणा के जन स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा, नेशनल कोऑर्डिनेटर शिक्षा विभाग ब्रह्माकुमारी सुमन, राजयोगी-तपस्वी भ्राता भारत भूषण, प्रसिद्ध समाजसेवी हरपाल ढांडा, राज योगिनी सरला दीदी। ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया।

मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव और राष्ट्र के असली निमार्ता होते हैं।शिक्षक केवल पढ़ाई ही नहीं कराते बल्कि विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार ,जीवन मूल्य और सही दिशा भी प्रदान करते हैं।

नेशनल कोऑर्डिनेटर शिक्षा विभाग ब्रह्माकुमारी सुमन बहन ने शिक्षकों की तुलना प्रकाश स्तंभ से करते हुए कहा कि वे विद्या रूपी ऐसा धन प्रदान है जिसे कोई चुरा नहीं सकता और यह धन शिक्षक निस्वार्थ रूप से अपने शिष्यों को एक समान प्रदान करते हैं इसीलिए उन्हें गुरु भी कहा जाता है।

बचपन से ही यदि विद्यार्थियों में सुसंस्कार भर दिए जाएं। तो पूरे विश्व का भविष्य स्वर्णिम हो सकता है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस दिशा में सतत कार्यरत है।

राजयोगी तपस्वी भ्राता भारत भूषण जी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया ज्ञान का प्रकाश मानव को इसी तरह आलोकित करता है जैसे अंधेरे में दिया ।

उन्होंने कहा कि शिक्षा से ज्ञान मिलता है और अज्ञान के अंधेरे का विनाश होता है। इस सबके लिए राजयोग बहुत आवश्यक है।स्वः परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन का भी संदेश दूसेते हुए उन्होने सभी के जीवन के लिए मंगल कामना की।

राज योगिनी सरला दीदी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि जब शिक्षा आध्यात्मिकता से जुड़ती है तो वह जीवन में शांति और समृद्धि लाती है।उन्होने कहा कि शिक्षा केवल जानकारी नहीं बल्कि जीवन को मूल्य युक्त और उज्जवल बनाने का माध्यम है शिक्षा की समझ में सकारात्मक परिवर्तन लाने की आवबाशयकता है।

मंच का सुघड़ संचालन ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने किया। इस अवसर पर। 130 शिक्षकों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ, और सौगात देकर सम्मानित किया गया।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर मिशन मोड में जुटी योगी सरकार

286 राजकीय आईटीआई में 1.84 लाख सीटें उपलब्ध

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा वर्ष 2025 में घोषित अंतिम परिणामों में व्यावसायिक शिक्षा के चयनित विभिन्न व्यवसायों के 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन स्थित ऑडिटोरियम में किया। इस अवसर पर प्रदेश के सभी जनपदों में भी भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां सांसद एवं विधायकगण सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर युवाओं के सपनों को साकार करने के साक्षी बने। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र के साथ निरंतर कार्यरत है। देश के सबसे अधिक युवाओं वाले प्रदेश की युवा आकांक्षाओं को देखते हुए उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

1.80 लाख ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के माध्यम से पिछले आठ वर्षों में 1.80 लाख ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 1.30 लाख को सेवायोजित किया गया। वहीं प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत 500 प्रतिष्ठित कंपनियों में 2.50 हजार से अधिक युवाओं की इंटर्नशिप प्रारम्भ की गई है, जिसमें उन्हें 5000 रूपए मासिक मानदेय दिया जा रहा है।

900 से अधिक पद आउटसोर्सिंग से भरे गए

सरकार ने राजकीय आईटीआई को सुदृढ़ करने हेतु प्रधानाचार्यों के 150 से अधिक और प्रशिक्षकों के 1510 रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति की है। इसके अतिरिक्त 900 से अधिक पद आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरे गए हैं। भविष्य की तकनीकों जैसे सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल, लेजर कटिंग, सीएनसी, थ्री डी प्रिंटिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन आदि में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए आईटीआई का उन्नयन किया जा रहा है।प्रदेश के युवाओं को विदेश में सेवायोजन उपलब्ध कराने के लिए 'विदेश कामगार कौशल प्रशिक्षण एवं सेवायोजन योजना' प्रारम्भ करने पर विचार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत 1.20 लाख पारंपरिक कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण और अर्ह लाभार्थियों को 1 लाख रूपए ब्याजमुक्त ऋण दिया गया है।

82 ट्रेड में लगभग 1.84 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण

प्रदेश सरकार ने बीते आठ वर्षों में 60 से अधिक नए राजकीय आईटीआई स्थापित कर संचालन प्रारम्भ कराया है। वर्तमान में 324 राजकीय आईटीआई के माध्यम से 82 ट्रेड में लगभग 1.84 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। किसी भी इच्छुक युवा की आर्थिक स्थिति प्रशिक्षण में बाधा न बने, इसके लिए मासिक फीस मात्र 40 रुपए निर्धारित की गई है। साथ ही प्रदेश के लगभग 3000 निजी आईटीआई में 6 लाख सीटों पर प्रशिक्षण उपलब्ध है।

शेष 341 पदों का परिणाम भी जल्द होगा घोषित

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाने के लिए प्रदेश के 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 92 व्यवसाय संचालित हैं, जिनमें 1,84,280 सीटें उपलब्ध हैं। इन संस्थानों में 7768 अनुदेशक के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 6577 नियमित और 1191 आउटसोर्सिंग के हैं। वर्ष 2022 में रिक्त 2406 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से प्रारम्भ की गई थी, जिसके तहत 1510 अनुदेशकों का चयन हुआ है। शेष 341 पदों का परिणाम भी शीघ्र घोषित होने की संभावना है। इस प्रकार कुल 1851 चयनित अनुदेशक विभाग को प्राप्त होंगे, जिनसे राजकीय आईटीआई में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित होगा।

कौशल विकास मिशन से 14 लाख युवाओं को प्रशिक्षण

प्रदेश के प्रत्येक इच्छुक युवा को उसके घर के नजदीक नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण देने के लिए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन सक्रिय है। पिछले आठ वर्षों में इस मिशन के माध्यम से 14 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 5.65 लाख को रोजगार और सेवायोजन से जोड़ा गया है। वर्तमान में 1000 से अधिक प्रशिक्षण पार्टनर्स के सहयोग से 350 से अधिक कोर्स संचालित हो रहे हैं। मिशन के तहत उद्योगों को सीधे जोड़ने के लिए फ्लेक्सी ट्रेनिंग पार्टनर्स की व्यवस्था शुरू की गई है। अब तक 33 औद्योगिक इकाइयों को जोड़ा गया है और प्रत्येक जनपद से 5 नई इकाइयों को अनुबंधित करने का लक्ष्य रखा गया है।

9 नए ट्रेड और 23 शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू

इस दिशा में टाटा टेक्नोलॉजीज लि. एवं 18 विश्वस्तरीय कंपनियों के सहयोग से प्रथम चरण में 150 आईटीआई का उन्नयन किया गया, जिसके तहत 9 नए ट्रेड और 23 शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू हुए हैं। इस परियोजना पर लगभग 5000 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं और हर वर्ष 15 हजार से अधिक युवा प्रशिक्षित हो रहे हैं। सफलता को देखते हुए 62 अन्य आईटीआई के उन्नयन को भी स्वीकृति दी गई है, जिस पर 3350 करोड़ रुपये व्यय होंगे।

प्रोजेक्ट प्रवीण में 20 हजार छात्रों को प्रमाणपत्र

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रोजेक्ट प्रवीण कार्यक्रम माध्यमिक विद्यालयों में लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत 600 से अधिक विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को प्रतिदिन 90 मिनट कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक 20 हजार छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर के प्रमाणपत्र प्रदान किए जा चुके हैं।

रोजगार मेलों के जरिए 4.13 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी

रोजगार मेलों के माध्यम से भी प्रदेश में 1736 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें 4.13 लाख से अधिक युवाओं को 2537 कंपनियों में नौकरी का अवसर मिला है।

योगी सरकार का दुनिया का पहला सिरेमिक वेस्ट से बना 'अनोखी दुनिया' पार्क डिज्नी वर्ल्ड और जुरासिक पार्क को देगा मात

सीएम योगी के निर्देश पर वेस्ट-टू-आर्ट को बढ़ावा देने के लिए सिरेमिक वेस्ट से बनाया गया अनोखी दुनिया पार्क

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ/ बुलंदशहर। योगी सरकार द्वारा लगातार प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों को विश्व पटल पर पहचान दिलाने के साथ आधुनिकता से जोड़ा जा रहा है। इसी के तहत योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में लोकल फॉर वोकल को आत्मसात करते हुए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट के जरिये प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान दी है। इस दिशा में योगी सरकार द्वारा एक अनूठी पहल की गयी है। योगी सरकार के निर्देश पर बुलंदशहर में 'अनोखी दुनिया' नाम से एक पार्क बनाया गया है, जिसे सिरेमिक वेस्ट से बनाया गया है, यह दुनिया का पहला सिरेमिक वेस्ट पार्क है। यह पार्क माह के अंत तक पर्यटकों के लिए ओपन कर दिया जाएगा। यह पार्क विश्वस्तरीय डिज्नी वर्ल्ड और जुरासिक पार्क को टक्कर देगा।

बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण वीसी डॉ. अंकुर लाठर ने बताया कि बुलंदशहर के खुर्जा को 'सिरेमिक की राजधानी' कहा जाता है। यहां बने विश्वस्तरीय डिजाइन, आकार, शैली के बर्तन व उत्पाद देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुके हैं। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरुप खर्जा की पारंपरिक विरासत को विश्व पटल पर अलग पहचान दिलाने के लिए 'अनोखी दुनिया' नामक सिरेमिक पार्क का निर्माण किया गया है। यह पार्क न केवल खुर्जा की कला और कारीगरी को प्रदर्शित करता है, बल्कि शहर को पर्यटन की दृष्टि से भी एक नया मुकाम दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। वीसी ने बताया कि अनोखी दुनिया नामक पार्क को पीपीपी मोड पर बनाया गया है। यह पार्क करीब 2 एकड़ में फैला हुआ है। इस पार्क की खासियत है कि यह दुनिया का पहला सिरेमिक वेस्ट पार्क है। उन्होंने बताया कि अनोखी दुनिया पार्क में छह कलाकारों और 120 कारीगरों की टीम ने मिलकर कई महीनों की मेहनत से करीब 100 छोटी-बड़ी अनोखी कलाकृतियां तैयार की हैं। इसमें 28 बड़ी कलाकृतियां मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं। यह कलाकृतियां टूटी हुई सुराहियों, कप, केतली और अन्य बर्तनों के टुकड़ों से बनाई गईं हैं। यहां बड़े आकार के कप, केतली, सुराही और कई अन्य कलात्मक नमूने देखने को मिलेंगे, जिन्हें रंग-बिरंगे और आकर्षक अंदाज में सजाया गया है। यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों को लुभाने में सक्षम है।

वीसी डॉ. अंकुर लाठर ने बताया कि पार्क को 80 टन सिरेमिक कचरे से तैयार किया गया है, जो 'वेस्ट-टू-आर्ट' का उत्कृष्ट उदाहरण है। अनोखी दुनिया पार्क पीपीपी मोड पर 5 करोड़ 86 लाख की लागत से बनकर तैयार हुआ है। यह पार्क पर्यटकों के लिए सितंबार माह के अंत तक ओपन कर दिया जाएगा। इस पार्क में ग्रीनरी का भी विशेष ध्यान रखा गया है, जो हार्टिकल्चर पर आधारित है। पार्क में बच्चों के लिए कई सेल्फी प्वाइंट और एक कैफे भी बनाया गया है। इस पार्क में हर आयु वर्ग के लिए कुछ न कुछ विशेष है, जो उन्हे अपनी ओर आकर्षित करेगा। इस पार्क की सुंदरता और रखरखाव के लिए पर्यटकों से शुल्क भी लिया जाएगा। यह शुल्क बहुत ही मिनिमम होगा। यह धनराशि पार्क के रखरखाव पर खर्च की जाएगी। वीसी ने बताया कि यह पार्क न केवल कचरे के दोबारा उपयोग का शानदार उदाहरण है बल्कि डबल इंजन की सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' को भी गति प्रदान करेगा।

यह पार्क खुर्जा को एक नए पर्यटन नक्शे पर स्थापित करेगा। यहां आने वाले पर्यटक स्थानीय बाजार से सिरेमिक उत्पाद भी खरीदेंगे, जिससे उद्योग को सीधा लाभ होगा।

साथ ही यह पार्क अन्य शहरों के लिए भी एक मॉडल बनेगा कि किस प्रकार कचरे को कला में बदलकर सतत विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश में उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहे हैं। ऐसे में 'अनोखी दुनिया' पार्क उनके पर्यटन और स्वच्छता के विजन का जीता जागता उदाहरण है।

सपना हुआ साकार तो सफल अभ्यर्थियों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोजगार के अवसर अब योग्यता और मेहनत के दम पर हासिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया ने हजारों युवाओं के जीवन को नई दिशा दी है। रविवार को लोकभवन के सभागार में नियुक्ति पत्र पाने वाले नवचयनित अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता केवल उनकी मेहनत ही नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अब रोजगार के अवसर योग्यता और मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को ही मिलेंगे, न कि सिफारिश वालों को। सीएम योगी के इसी मिशन को उनकी टीम धरातल पर उतारने में लगी है।

मेहनत को मिला सही मंचः सीमा, मैनपुरी

मैनपुरी की सीमा ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि मैंने राजकीय महिला पॉलीटेक्निक, बरेली से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के प्रयास से यह भर्ती प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूरी हुई, जिसकी वजह से उनकी मेहनत रंग लाई।

बेटियों के सपनों को मिला सहाराः अल्पना श्रीवास्तव, लखनऊ

लखनऊ की अल्पना श्रीवास्तव ने फिरोजगांधी पॉलीटेक्निक, रायबरेली से प्रशिक्षण प्राप्त किया और एनएसटीआई कानपुर से सीआईटीएस कोर्स किया। उन्होंने बताया कि समाज की चुनौतियों के बावजूद उनके माता-पिता ने कभी पढ़ाई में कमी नहीं रखी। उन्होंने बताया कि अनुदेशक की नियुक्ति मिलने पर उनके माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू थे। उन्होंने वादा किया कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाएंगी। उत्तर प्रदेश को उत्तम और कुशल प्रदेश बनाने में सहयोग करूंगी।

किसान परिवार का पहला सरकारी रोजगारः श्यामू विश्वकर्मा, गोरखपुर

गोरखपुर के श्यामू विश्वकर्मा ने भावुक होकर कहा कि वह किसान परिवार से आते हैं और परिवार में पहले व्यक्ति हैं जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है। यह अवसर उन्हें इसलिए मिल पाया क्योंकि प्रदेश सरकार ने निष्पक्ष भर्ती की परंपरा स्थापित की है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए विश्वास दिलाया कि वह पूरी लगन और मेहनत से काम कर अपने चयन को सार्थक करेंगे।

रोजगार से बढ़ा आत्मविश्वासः पवन कुमार, पीलीभीत

पीलीभीत के पवन कुमार ने बताया कि उन्होंने राजकीय पॉलीटेक्निक पीलीभीत से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया और फिर सीआईटीएस की परीक्षा हैदराबाद से पास की। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र से सरकारी सेवा तक की उनकी यात्रा आसान नहीं थी। लेकिन सरकार की पारदर्शी प्रक्रिया ने उनके सपनों को पंख लगा दिए। नवचयनित अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर खुद को गौरवान्वित महसूस किया। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति न सिर्फ उनके लिए गर्व का क्षण है, बल्कि प्रदेश सरकार के युवाओं को रोजगार देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है।

पिछली सरकारों में इतना पैसा लिया जाता था कि वे किसी अभ्यर्थी से आंख नहीं मिला पाते थेः सीएम

उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नवचयनित 1510 अनुदेशकों को वितरित किया गया नियुक्ति पत्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधा और कहा कि 8 वर्ष पहले वे नियुक्ति पत्र वितरण के ऐसे इवेंट नहीं कर पाते थे। पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं होती थी, क्योंकि हर प्रक्रिया में कोई न कोई ऐसा व्यवधान होता था, जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा रोक लगा दी जाती थी। शिक्षक, पुलिस, अनुदेशक की भर्ती हो या किसी अन्य विभाग की, इतना पैसा ले लिया जाता था कि वे किसी अभ्यर्थी से आंख मिलाकर बात नहीं कर पाते थे। क्योंकि जब व्यक्ति बेईमानी और भ्रष्टाचार का सहारा लेता है तो उसका नैतिक पतन हो जाता है और वह चेहरा उठाकर बात नहीं कर पाता है। 2017 के पहले सरकार में बैठे लोगों ने यही स्थिति कर दी थी, जिससे यूपी का नौजवान हताश और निराश था। जब नौजवान हताश और निराश होगा तो अर्थव्यवस्था नीचे गिरेगी ही, लेकिन पिछले साढ़े 8 वर्ष में सामूहिक परिणाम हुए तो आज सरकारी व निजी क्षेत्र में नौकरी के साथ रोजगार भी है। यूपी में अब नौकरियों की बौछार है।

उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नवचयनित 1510 अनुदेशकों को रविवार को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने लोकभवन में नवचयनित 11 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। सीएम ने निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित अनुदेशकों व अभिभावकों को बधाई दी।

सीएम ने कहा कि 8 वर्ष पहले आपने अनुभव किया होगा कि यूपी के साथ दो बातें चस्पा थीं। पहली- यूपी का नौजवान-नागरिक प्रदेश के बाहर जाता था तो उसके सामने पहचान का संकट होता था। लोग हेय दृष्टि से देखते हैं। इससे नागरिकों के मन में हीन भावना पैदा होती थी। दूसरा- हमारे ऊपर बीमारू राज्य का लेवल लगा दिया गया था यानी देश के विकास का बैरियर, जबकि यह राज्य संसाधनों से भरपूर था। जिस राज्य में ईश्वर को भी किसी न किसी अवतार के रूप में बार-बार आना पड़ा। ऐसा राज्य बीमारू हो जाए, कोई खुद को सुरक्षित महसूस न कर सके। उस राज्य को पिछले 8 वर्ष के अंदर हम लोगों ने नंबर-2 की अर्थव्यवस्था बनने में सफलता हासिल की। बीमारू राज्य के लेवल को उखाड़कर भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में सफलता प्राप्त की। 25 करोड़ की आबादी, जनप्रतिनिधियों, सरकार से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और डबल इंजन सरकार ने मिलकर प्रयास किया तब यह परिणाम सामने आए। आज यूपी सबसे तेज गति से अग्रसर प्रदेशों में गिना जाता है। देश में विकास की दर यूपी की सर्वाधिक है।

हर क्षेत्र में यूपी अग्रणी स्थानों में है। 2017 के पहले जो प्रदेश बॉटम 5 में था, वह आज देश के अंदर अधिकांश स्कीम में नंबर एक पर है, जहां एक पर नहीं है, वहां टॉप थ्री में यूपी को कोई नहीं हटा सकता। सीएम योगी ने कहा कि 8 वर्ष पहले यूपी में परंपरागत उद्यम के कलस्टर भी बंदी के कगार पर थे।

400 वर्ष पहले की बात करेंगे तो यूपी देश के सबसे समृद्ध राज्यों में था। यहां विदेशी आक्रांताओं के हमले भी हुए, अंग्रेजों ने भी लूटा। देश जब 1947 में स्वतंत्र हुआ, तब भी यूपी भारत की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। 1960 तक यूपी का योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में 14 फीसदी था, लेकिन 1960 के बाद इसमें गिरावट प्रारंभ हुई। 2016 आते-आते यूपी का योगदान महज 8 फीसदी के आसपास रह गया। इन लोगों के कारनामों ने नंबर एक से नंबर आठ तक पहुंचा दिया। जब नीतियां स्वयं के स्वार्थ और वोटबैंक की चिंता करके, परिवार के हितों के संरक्षण को लेकर बनाई जाती हैं तो वह दुर्गति की तरफ से लेकर जाती हैं।

सीएम ने कहा कि 8 वर्ष पहले त्योहारों पर उत्साह की बजाय लोगों के मन में भय होता था। आज पूर्णिमा है। रात्रि में चंद्रग्रहण लगेगा। अभी गणपति महोत्सव, बारावफात आया, लेकिन कहीं दंगा-गुंडागर्दी नहीं हुई।

हर महीने नियुक्ति प्रक्रिया को कराया गया संपन्न

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिशन रोजगार से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का संकल्प दिया है, हम सभी उसमें सहभागी बन सकें, इसके लिए यूपी में पिछले 8 वर्ष के दौरान साढ़े 8 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने में सफलता प्राप्त की है। हर महीने किसी न किसी आयोग-बोर्ड के माध्यम से नियुक्ति प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया है। जो सख्ती की गई, उसका परिणाम है कि निष्पक्ष भर्ती के तहत चयनित युवाओं ने भी ईमानदारी के साथ सरकार का हिस्सा बनकर अपनी प्रतिभा व ऊर्जा का लाभ यूपी को दिया।

यूपी में अब नौकरियों की बौछार

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने यूपी के नौजवानों के लिए साफ-सुथरा मंच दिया। चयनित अनुदेशकों को सिफारिश की नौबत नहीं आई होगी। जिसने तैयारी की, उसका चयन हुआ। जिसने नहीं की होगी, तैयारी करेगा, उसका आने वाले समय में होगा। अब नौकरियों की बौछार हो रही है। कानून व्यवस्था के माध्यम से सुरक्षा का माहौल तैयार किया गया है। दंगामुक्त, गुंडागर्दी, माफिया मुक्त की अवधारणा ने यूपी में बड़े-बड़े निवेश को आमंत्रित किया है। इसका सर्वाधिक लाभ व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमिता से जुड़े नौजवानों को हुआ। 8 वर्ष में 60 लाख से अधिक ऐसे लोगों को नौकरी मिली। इसमें 14 लाख ऐसे नौजवान हैं, जिन्होंने यूपी कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षण लिया। सीएम ने नियुक्ति पाने वाले युवाओं से कहा कि आवेदन से लेकर नियुक्ति पत्र मिलने तक सिफारिश या लेन-देन नहीं हुआ, इसलिए सरकार की भी अपेक्षा है कि जब अपनी आईटीआई में जाएं तो ईमानदारी के साथ छात्रों को गाइड करें। टाइमपास करने से तत्काल अपने मन को संतुष्ट कर लेंगे, लेकिन समय कभी माफ नहीं करता है। ईमानदारी से किया गया प्रयास परिणाम अवश्य लेकर आता है।

सीएम ने सरकार के प्रयासों से कराया अवगत

सीएम ने कहा कि पिछले दिनों लखनऊ में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास के कार्यक्रम के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ था। आईटीआई पास, यूपी स्किल मिशन के माध्यम से उनका चयन हुआ। चयन करने वाली कंपनी उन्हें एक लाख, 75 हजार, 50 हजार दे रही थी। किसी भी नौजवान का चयन 35 हजार से कम में नहीं हुआ। सीएम ने कहा कि 8 वर्ष पहले, जो उद्योग और आईटीआई थे, वह भी बंद हो रहे थे, लेकिन अब सरकार 300 से अधिक आईटीआई चला रही है। 8 वर्ष में सरकार के स्तर पर 60 नए आईटीआई बनाए गए, निजी क्षेत्र में भी 3000 से अधिक आईटीआई बने हैं। वर्तमान में 100 ऐसे ट्रेड चल रहे हैं, जो ग्लोबल मार्केट की आवश्यक्ताओं की पूर्ति करने के लिए स्किल मैन पॉवर की आपूर्ति कर सकें। यदि इलेक्ट्रिशियन व प्लंबरिंग का ट्रेड है तो ऑर्टिफिशियल, रोबोटिक व ड्रोन टेक्नोलॉजी का भी है।

प्रतियोगिताओं से छात्रों में भारतीय संस्कृति का ज्ञान होता है: डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। युवा वैश्य मंच मेरठ महानगर द्वारा मोदी कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और प्रधानाचार्य को किया गया सम्मानित। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में श्याम मित्र मंडल एवं युवा वैश्य मंच मेरठ महानगर द्वारा रामायण ज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों और शिक्षकों के सम्मान में एक विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर अनिल गर्ग रहे समारोह का संचालन प्रवीण जैनर ने किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश सिंह अग्रवाल ने बताया कि श्याम मित्र मंडल एवं युवा वैश्य मंच मेरठ द्वारा पिछले सप्ताह विद्यालय में रामायण ज्ञान प्रतियोगिता कराई गई जिसमें लगभग 350 छात्रों ने प्रतिभाग किया उसमें से 21 छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर उन छात्रों को वह उनकी सक्रिय सहभागिता करने के लिए कुछ शिक्षकों और विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सतीश अग्रवाल जी को पटका प्रतीक चिन्ह ,प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर अनिल गर्ग एवं विशिष्ट अतिथि सामिया गर्ग निर्देशिका एमबीएस महाविद्यालय मेरठ स्वास्तिक गोयल श्री राजेंद्र गोयल और श्री रूपचंद शर्मा जी द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रतिभाग करने वाले सभी छात्रों को प्रमाण पत्र दिए गए कार्यक्रम में सामान्य प्रतियोगिता में सक्रिय सहभागिता के लिए विद्यालय के शिक्षकों राजकुमार सिंह, संजीव चौधरी, राहुल त्यागी, इरशाद अली श्रीमती रमा चौधरी एवं श्रीमती पूनम वशिष्ठ और विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल को मुख्य अतिथि द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

संस्था द्वारा मुख्य अतिथि डॉक्टर अनिल गर्ग, रूपचंद शर्मा एवं राजेंद्र गोयल को भी पटका और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष प्रदीप गोयल ने बताया कि इस वर्ष से हमने रामायण ज्ञान प्रतियोगिता शहर के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित कराई आगे आने वाले समय में इसे हम बड़े स्तर पर आयोजित करेंगे। ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में नाम जैसा राम जैसे चरित्र और उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरणा मिलती है विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अग्रवाल ने बताया कि हमारे विद्यालय के छात्र विभाग शासन और समाज और किसी भी संगठन द्वारा आयोजित की जाने वाली सभी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

किसी सम्मान समारोह के साथ विद्यालय में शिक्षक दिवस का भी आयोजन किया गया विद्यालय में उपस्थित सभी शिक्षकों एनसीसी कैडेट और स्काउट और हाउस प्रभारी सभी छात्रों ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण किया जीव विज्ञान प्रवक्ता नीतू चौधरी ने भी शिक्षक दिवस का महत्व विस्तृत रूप से छात्रों को बताया।

द्वितीय कला प्रदर्शनी में मोदी आईफा आर्ट गैलरी द्वारा कलाकारों को किया सम्मानित

- आईफा के छात्र -छात्राओं ने शिक्षक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गैलेड बिल्डिंग स्थित मोदी आर्ट गैलरी में चल रही द्वितीय कला प्रदर्शनी के अंतिम दिन कलाकारों को सम्मानित कियो कार्यक्रम का शुभारंभ आज के मुख्य अतिथि विधायिक डॉ मंजू शिवाच एवं विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध कलाकार एवं कवि आनंद नारायण ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । मोदी आईफा आर्ट गैलरी में जिन कलाकारों ने अपनी स्व- निर्मित कलाकृतियों को प्रदर्शित किया था, उन सभी कलाकारों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा भागीदारी प्रमाण पत्र, गैलरी कैटलॉग, एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आईफा संस्थान के मैनेजर डॉ. संघर्ष शर्मा ने बताया इस प्रदर्शनी में 55 कलाकारों द्वारा स्व-निर्मित कलाकृतियों को प्रदर्शित किया है। जिसमें डॉ. नरेश कुमार प्रजापति, डॉ. दिशा दिनेश , डॉ. मधु बाजपेई , डॉ. अर्चना रानी, रुचिका सिरोही, रूचित राज भटनागर, डॉ. किरण प्रदीप, पायल प्रजापति, यश कोहली , पल्लवी, ज्योति सिंह, मीनू, अमित कुमार, रोहन सिंह, खुशी, प्रेरणा शर्मा एवं आईफा के छात्र-छात्राओं ने अपनी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया। प्रशांत झा, शीतल रानी एवं मेगा दीक्षित देश संयुक्त रूप से बेस्ट मटेरियल से निर्मित स्कल्पचर जो पर्यावरण सहायक के ऊपर बनाया कलाकृति की विशेष सराहना हुई । आईफा संस्थान में आज छात्र-छात्राओं ने शिक्षक दिवस भी बड़े उत्साह से मनायाो छात्र- छात्राओं ने सभी शिक्षकों से केक कटवाकर एवं स्व- निर्मित गुलदस्ता देकर सम्मान दिया। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रदीप बॉस, आर.सी शर्मा उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारी भौतेंद्र कुमार, अमित कुमार बंसल, डॉ. रूचि विद्यार्थी , प्रीति शर्मा, प्रशांत झा, शीतल रानी, नीशु मलिक, दीपांशु, रीता घोष, अंजलि रानी, स्वीटी, आभा शर्मा, पलक आदि का भरपूर सहयोग रहा ।

भाकियू द्वारा पंजाब के लिए राहत सामग्री व नकद राशि भेजी गई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के द्वारा पंजाब में आई आपदा में पंजाब के लोगों की मदद के लिए भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आज मोदीनगर से एक गाड़ी में पंजाब के लिए राहत सामग्री के साथ सिसौली मुजफ़्फरनगर के लिए रवाना की गई जिसमें 11 कुंतल नमक व 11000 हजार की धनराशि पंजाब राहत के लिए भेजी गई है । भारतीय किसान यूनियन टिकैत के शहर अध्यक्ष चौधरी पवन कुमार लालाराम बापू ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत व राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आवाहन पर पंजाब के लिए राहत सामग्री पहुंचने का कार्य किया गया है ।जिला अध्यक्ष चौधरी विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में हरी झंडी दिखाकर सामग्री रवाना की गई ।इस अवसर पर मौजूद चौधरी रजत अग्रवाल व कार्तिक चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे।

देवेंद्र चौधरी डायमंड को एमएलसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव हेतु जिला संयोजक की जिम्मेदारी दी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भाजपा किसान मोर्चा के परदेस कार्यकारणीय सदस्य एवं किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी डायमंड को एमएलसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव हेतु 2026 के लिए जिला संयोजक की जिम्मेदारी दी है। उत्तर प्रदेश नेतृत्व, क्षेत्रीय नेतृत्व, जिले के जिला अध्यक्ष चौधरी चेनपाल के द्वारा देवेंद्र चौधरी डायमंड प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य को भारतीय जनता पार्टी को एमएलसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव हेतु 2026 के लिए जिला संयोजक जिम्मेदारी दी है। देवेंद्र चौधरी डायमंड ने कहा कि मैं पार्टी की जिम्मेवारी को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा। पार्टी के आदर्शों और नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा और निष्पक्ष तरीके से काम करूंगा। पार्टी की प्रगति और सफलता के लिए अपना योगदान देने का पूरा प्रयास करूंगा। इसके अलावा नितिन मित्तल को सहसंयोजक, ललित त्यागी व आकाश गौतम को विधानसभा क्षेत्र संयोजक बनाया गया है । देवेंद्र चौधरी डायमंड को जिला संयोजक की जिम्मेदारी देने पर भाजपा कार्यकताओं में खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एमएलसी स्नातक चुनाव में कार्यकर्ता भी अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

ललित त्यागी एडवोकेट को विधान परिषद स्नातक चुनाव का विधानसभा संयोजक नियुक्त किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नगर पालिका परिषद के सभासद एवं अधिवक्ता सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले ललित त्यागी एडवोकेट को आगामी विधान परिषद स्नातक चुनाव हेतु भाजपा ने विधानसभा संयोजक नियुक्त किया गया है।

संगठन ने यह जिम्मेदारी उनकी सक्रियता, संगठनात्मक कौशल और लंबे समय से समाज के प्रति किए गए योगदान को देखते हुए सौंपी है। इस अवसर पर ललित त्यागी ने कहा कि जिलाध्यक्ष भाजपा चैनपाल सिंह ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाऊँगा। स्नातक मतदाताओं तक पहुँचकर उनकी वोट बनवाना और उन्हें जागरूक करना मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

इस नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मोदीनगर में उत्थान फाउंडेशन की बढ़ते कदम योजना की कक्षाओं में मनाया गया शिक्षक दिवस

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। सामाजिक संस्था उत्थान फाउंडेशन द्वारा संचालित बढ़ते कदम योजना के अंतर्गत अंग्रेजी बोलने की कक्षाओं का आयोजन मोदीनगर के दोनों प्रमुख केन्द्रों – अम्बेडकर लाइब्रेरी, कस्बा रोड एवं बड़ा मंदिर, देवेंद्रपुरी – में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इन दोनों केन्द्रों पर लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अंग्रेजी बोलना सीखने की दिशा में अपनी लगन और संकल्प प्रदर्शित किया।

अम्बेडकर लाइब्रेरी केन्द्र पर कक्षाओं का संचालन कविता गुप्ता द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को सरल और व्यावहारिक तरीके से अंग्रेजी संवाद की कला सिखाने के साथ-साथ उन्हें आत्मविश्वासी बनने की प्रेरणा दी। वहीं, देवेंद्रपुरी केन्द्र पर रिंकी कंसल अपनी प्रभावशाली शैली और समर्पित प्रयासों से विद्यार्थियों को अंग्रेजी बोलने में सहजता प्रदान कर रही हैं। दोनों केन्द्रों पर विद्यार्थियों ने मिलकर अपने-अपने शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। संस्था के अध्यक्ष सीए राहुल जैन ने जानकारी दी कि शिक्षक दिवस के इस विशेष अवसर पर दोनों शिक्षिकाओं कविता गुप्ता और रिंकी कंसल – का सम्मान उनके-अपने केन्द्रों पर विद्यार्थियों और संस्था के प्रबंधन द्वारा किया गया। शिक्षिकाओं को पटका और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट और स्नेहपूर्ण शब्दों के साथ अपने शिक्षकों को गुरु के रूप में जीवन का पथप्रदर्शक बताया। इस मौके पर देवेंद्रपुरी के सभासद अंकुर चौधरी, अम्बेडकर लाइब्रेरी के अनुज कुमार, ज्योति रानी उपस्थित रहे। साथ ही पूर्व में महर्षि दयानन्द इंटर कॉलेज पर चल रहे केंद्र की शिक्षिका अलका चौधरी का सम्मान संस्था के पदाधिकारियों द्वारा उनके निवास पर जा कर किया गया।

उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ सोनिका जैन ने कहा कि,शिक्षक समाज की आधारशिला होते हैं। ह्यबढ़ते कदम योजनाह्ल के माध्यम से अंग्रेजी बोलना सिखाने का कार्य केवल भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और भविष्य की नई संभावनाओं को भी विकसित करता है। कविता गुप्ता और रिंकी कंसल ने अपने परिश्रम और समर्पण से इस मिशन को नई ऊँचाई दी है। कार्यक्रम का समापन उत्साह और भावनाओं से भरे माहौल में हुआ। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे आगे भी नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेकर अंग्रेजी संवाद कला में प्रगति करेंगे ।

सांसद एवं विधायक अपने एक माह का वेतन बाढ़ राहत कार्यों हेतु देंगे

मोदीनगर। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने घोषणा की है कि पार्टी के सभी सांसद एवं विधायक अपने एक माह का वेतन बाढ़ राहत कार्यों हेतु देंगे। यह निर्णय आपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों को संबल और सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। जयंत चौधरी ने कहा कि पूरे देश की संवेदनाएँ बाढ़ पीड़ितों के साथ हैं। राष्ट्रीय लोकदल सदैव आमजन के दुःख-दर्द में उनके साथ खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा। यह योगदान बाढ़ पीड़ितों तक राहत पहुँचाने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने सभी कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से भी अपील की कि वे आगे आकर राहत और पुनर्वास कार्यों में सहयोग करें। राष्ट्रीय लोकदल इस आपदा को चुनौती नहीं, बल्कि एक अवसर मानता है- जहाँ समाज के सभी वर्ग मिलकर एक-दूसरे का सहारा बनें। चेयरमैन अमरजीत सिंह (बिडडी), प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोकदल (सहकारिता प्रकोष्ठ), उत्तर प्रदेश ने कहा कि हम सभी कार्यकताओं का यह दायित्व है कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक परिवार तक मदद और राहत पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

गिन्नी देवी कॉलेज में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज के बी ए गृह विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2025 के द्वितीय दिन पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हर साल 1 से 7 सितम्बर तक स्वस्थ जीवन और पोषण के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा के संरक्षण में किया गया और ऐश्वर्या बहुगुणा द्वारा सन्चालन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. सरिता और अतिथि वक्ता डॉ. छवि किरन गुप्ता उपस्थित रहीं । डॉ. छवि ने छात्राओं को फूड लेबलिंग पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, जिसे छात्राओं ने अत्यंत रुचि और उत्साह के साथ सुना। यह सत्र अत्यंत संवादात्मक और रोचक रहा। इसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. सरिता ने छात्राओं एवं महाविद्यालय की सराहना करते हुए अपना प्रेरणादायक उद्बोधन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात दोनों अतिथियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए तथा स्मृति-चिह्न और हस्तनिर्मित चित्रकला भेंट स्वरूप प्रदान की गई। संकाय सदस्यों में डॉ. ऋषिका पांडे, डॉ. नूतन सिंह, रश्मि चैधरी, डॉ. आकांक्षा सारस्वत, डॉ सारिका गर्ग, डॉ राखी मित्तल, सुमनलता, मधुलिका, ज्योति, फरहा और अन्य शिक्षिकाएं तथा छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम में सुश्री शिवानी शर्मा का विशेष योगदान रहा।